सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 16 अंक - 352 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, शनिवार 04 अक्टूबर 2025 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

मंदिर हसौद में युवक की हत्या

रायपुर। मंदिरहसौद थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम कुकरा में एक व्यक्ति की हत्या कर दी गई है। घटना के बाद से इलाके में सनसनी फैल गई है। मौके पर पुलिस के आलाधिकारी, फॉरेंसिक की टीम पहुंच गई है। मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए आरंग भेज दिया गया है। मृतक की पहचान सुरेश धीवर (उम्र 45 वर्ष) के रूप में हुई है। मृतक के सिर पर चोट के गंभीर निशान है। जानकारी के अनुसार शुक्रवार को सुरेश कुछ लोगों के साथ बैठकर शराब पिए लेकिन शनिवार सुबह सुरेश की लहूलुहान हालत में लाश मिली। गांव वाले शव को देखकर दंग रह गए। फिलहाल पुलिस घटना की जांच में जुट गई है।

ओयो होटल को निगम ने किया सील

बिलासपुर। सरकंडा के बहतराई रोड स्थित एक मकान में ओयो होटल का संचालन किया जा रहा था, जिसके खिलाफ नगर निगम ने कार्रवाई की है। इसमे आवासीय परिसर का व्यवसायिक उपयोग करने का आरोप लगाते हुए मकान को सील कर दिया गया है। मालूम हो कि मोहल्लेवासियों ने भी इसकी शिकायत जिला प्रशासन व नगर निगम से की थी, जिसमे बताया गया था कि इस मकान में ओयो होटल के आड़ संदिग्ध गतिविधियों का संचालन हो रहा है।

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार इस मकान में ओयो होटल का संचालन गायत्री केडिया नाम की महिला कर रही थी, जिससे आसपास के रहवासियों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था, लोगों का कहना था कि यहां रोजाना संदिग्ध लोग पहुंचते है और संदिग्ध गतिविधियों को अंजाम देते है, यह सिलसिला सुबह से शुरू होकर देर रात तक चलता रहता है। कई बार इसे होट को बंद कराने की कोशिश की गई, लेकिन संचालन करने वाली महिला नहीं मानी। मोहल्लेवासियों को शिकायत करने के लिए बाध्य होना पड़ा। इधर नगर निगम ने मिली शिकायत के बाद जांच किया तो पता चला कि यह तो आवासीय मकान है, इसमे किसी भी स्थिति में होटल नहीं खोला जा सकता है। वहीं गुरुवार को नगर निगम की अतिक्रमण विरोधी दस्ता के प्रभारी प्रमिल शर्मा और शिव जायसवाल अपनी टीम के साथ उक्त मकान पर पहुंच गए, जहां जांच में ओयो होटल का संचालन करते हुए संबंधित को पाया गया। इसके बाद टीम ने तत्काल मकान को सील करने की कार्रवाई की।

जगदलपुर पहुंचे केन्द्रीय गृहमंत्री शाह, महतारी वंदन योजना की 20वीं किस्त करेंगे जारी

श्रीकंचनपथ न्यूज

जगदलपुर। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह दो दिवसीय छत्तीसगढ़ के दौरे पर हैं। इसी कड़ी में अमित शाह बस्तर दशहरा के मुरिया दरबार में शामिल होने के लिए जगदलपुर पहुँचे। जगदलपुर में स्थित मां दंतेश्वरी हवाई अड्डे पर मंत्री, सांसद, विधायक, अन्य जनप्रतिनिधियों ने गृह मंत्री का स्वावगत किया गया। केंद्रीय गृह मंत्री मुरिया दरबार, लाल बाग में प्रदर्शनी का अवलोकन, बस्तर दशहरा लोकोत्सव कार्यक्रम में शामिल होंगे। गृह मंत्री के साथ में प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा भी पहुंचे हैं।

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने मां दंतेश्वरी के दर्शन किए। इसके बाद वे सिरहासार भवन में बस्तर दशहरा के मुरिया दरबार की रस्म में शामिल होंगे इसके बाद फिर लाल बाग मैदान में स्वदेशी मेला कार्यक्रम में शिरकत करेंगे। साथ ही महतारी वंदन की 20वीं किस्त भी जारी करेंगे। बस्तर राज परिवार के सदस्य कमलचंद भंजदेव ने बताया कि अमित शाह देश के पहले ऐसे गृहमंत्री हैं, जो बस्तर दशहरा के मुरिया दरबार में शिरकत करने यहां आ रहे हैं। हालांकि, इससे पहले तक राज्य के मुख्यमंत्री पहुंचते थे। इस रस्म में अमित शाह मांझी, चालकी, मेंबर, मेंबरीन समेत अन्य समुदाय से सीधे संवाद करेंगे। उनकी समस्या को सुनेंगे।

1876 में शुरू हुई थी मुरिया दरबार परंपरा

विश्व प्रसिद्ध बस्तर दशहरा में 8 मार्च 1876 को पहली बार मोरिया दरबार परंपरा की शुरुआत की गई। इसके बाद 145 सालों से ज्यादा समय से या परंपरा लगातार चल रही है। इस परंपरा के तहत बस्तर दशहरा के मांझी व क्षेत्र के अन्य प्रतिनिधि अपनी समस्याएं शिकायतें और सुझाव देते हैं। जिसके आधार पर मुखिया आगे निर्णय लेते हैं।

क्या होता है मुरिया दरबार?

छत्तीसगढ़ के बस्तर में जब राजशाही का दौर था, उस समय बस्तर दशहरा के बाद राजा आम लोगों की समस्या सुनने के लिए दरबार लगाते थे, जिसे मुरिया दरबार कहा जाता है। इस मुरिया दरबार में जनता की समस्या सुनी जाती है और तुरंत इसका निराकरण होता है। दरअसल, पहले राजा समस्या सुनकर निराकरण करते थे, लेकिन अब लोकतांत्रिक व्यवस्था में मुख्यमंत्री या फिर कोई मंत्री, नेता सुन सकते हैं और उनकी समस्या का निवारण कर सकते हैं।

हवाई अड्डे पर शाह का स्वागत

हवाई अड्डे पर वन मंत्री केदार कश्यप, जनजाति कल्याण मंत्री राम विचार नेताम, महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ,बस्तर सांसद महेश कश्यप, जगदलपुर विधायक किरण सिंह देव, कोंडागांव विधायक लता उसेंडी, चित्रकोट विधायक विनायक गोयल, दंतेवाड़ा विधायक चैतराम अटामी, विधायक कांकेर आशाराम नेताम जगदलपुर के महापौर संजय पांडेय, ब्रेवरेज कार्पोरेशन के अध्यक्ष श्रीनिवास राव मद्दी, पूर्व विधायक सहित अन्य जनप्रतिनिधियों और डीजीपी अरुण देव गौतम, प्रमुख सचिव मनोज पिंगुआ, कमिश्नर डोमन सिंह, आईजी सुंदर राज पी., कलेक्टर हरिस एस, पुलिस अधीक्षक शलभ सिन्हा ने स्वागत किया।

अमित शाह ने बस्तर के राज परिवार से की मुलाकात

मां दंतेश्वरी की पूजा अर्चना करने के बाद केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह राज महल गए। यहां बस्तर राज परिवार के सदस्य कमलचंद भंजदेव समेत परिवार से मुलाकात की।

बंगाल की खाड़ी से उठे सिस्टम ने बदला मौसम का मिजाज, झमाझम बारिश से तरबतर हुआ छत्तीसगढ़

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में इस समय मौसम का रुख बदल गया है। बंगाल की खाड़ी में बने निम्न दबाव क्षेत्र के असर से शुक्रवार को बिलासपुर समेत कई हिस्सों में रुक-रुककर बारिश होती रही। शहर में दिनभर बादल छाए रहे और झड़ी जैसी स्थिति बनी रही। सरगुजा और बिलासपुर संभाग में रात के समय तेज बरसात दर्ज की गई। मौसम विभाग का कहना है कि शनिवार को भी इसी तरह का मौसम बने रहने की संभावना है, हालांकि 5 अक्टूबर से बारिश की गतिविधियां धीरे-धीरे थमने लगेंगी।

मौसम विभाग के मुताबिक, शुक्रवार रात से लेकर शनिवार को प्रदेश के अधिकांश स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। उत्तरी छत्तीसगढ़ में कुछ जगहों पर भारी वर्षा और गरज-चमक के साथ वज्रपात की संभावना बनी हुई है। विशेषज्ञों के अनुसार, फिलहाल ओडिशा के आंतरिक हिस्सों में एक अवदाब सक्रिय है। यह सिस्टम करीब 15 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से उत्तर-उत्तर पश्चिम दिशा की ओर बढ़ रहा है। अगले 24 घंटों में इसके कमजोर पड़ने और निम्न दबाव क्षेत्र में बदल जाने की आशंका जताई गई है। वहीं, इसके साथ जुड़ी एक द्रोणिका ओडिशा से होते हुए छत्तीसगढ़ और मध्यप्रदेश तक फैली हुई है।

शुक्रवार को सुबह से ही आसमान में बादल छाए रहे और बीच-बीच में हल्की बूंदाबांदी से शहर में ठंडक घुल गई। दिन का तापमान सामान्य से 3-4 डिग्री कम होकर करीब 27 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। हालांकि रात का पारा 24 डिग्री सेल्सियस पर रहा, जिससे हल्की उमस का एहसास बना रहा।

प्रदेश में अब तक 1168.7 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज

प्रदेश में अब तक दंतेवाड़ा जिले में सर्वाधिक 1597.8 मि.मी. वर्षा रिकार्ड की गई है। बेमेतरा जिले में सबसे कम 538.7 मि.मी. वर्षा दर्ज हुई है। रायपुर संभाग में रायपुर जिले में 1102.1 मि.मी., बलौदाबाजार में 971.0 मि.मी., गरियाबंद में 1170.0 मि.मी., महासमुंद में 1012.0 मि.मी. और धमतरी में 1101.6 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज हुई है। बिलासपुर संभाग में बिलासपुर जिले में 1160.1 मि.मी., मुंगेली में 1133.0 मि.मी., रायगढ़ में 1346.0 मि.मी., सारंगढ़-बिलाईगढ़ में 1087.2 मि.मी., जांजगीर-चांपा में 1368.1 मि.मी., सक्ती में 1246.0 मि.मी., कोरबा में 1140.0 मि.मी. और गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही 1059.1 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज हुई है। दुर्ग संभाग में दुर्ग जिले में 906.0 मि.मी., कबीरधाम में 836.8 मि.मी., राजनांदगांव में 982.2 मि.मी., मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी में 1428.0 मि.मी., खैरागढ़-छुईखदान-गंडई में 885.8 मि.मी. और बालोद में 1272.2 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज हुई है।

सरगुजा संभाग में सरगुजा जिले में 772.7 मि.मी., सूरजपुर में 1150.5 मि.मी., बलरामपुर में 1543.0 मि.मी., जशपुर में 1063.6 मि.मी., कोरिया में 1209.2 मि.मी. और मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर में 1100.0 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज हुई है। बस्तर संभाग में बस्तर जिले में 1589.5 मि.मी., कोंडागांव जिले में 1159.6 मि.मी., कांकेर में 1363.1 मि.मी., नारायणपुर में 1423.0 मि.मी., सुकमा जिले में 1255.5 मि.मी. और बीजापुर जिले में 1593.6 मि.मी. की औसत वर्षा रिकार्ड की जा चुकी है।

छत्तीसगढ़ में महिला स्वास्थ्य को मिला नया आयाम, बढ़ी ग्रामीण अंचलों में जागरूकता

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की महत्वाकांक्षी पहल स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान छत्तीसगढ़ में कई नए कीर्तिमान स्थापित किए है। बीते पखवाड़े भर में प्रदेशभर में 31 हजार से अधिक स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए गए, जिनमें करीब 22 लाख लोगों ने जांच और उपचार की सेवाएं प्राप्त कीं। सबसे खास बात यह रही कि इन शिविरों में महिलाओं की भागीदारी सबसे अधिक रही, जिससे यह साफ है कि अब ग्रामीण अंचलों में भी महिलाएं अपने स्वास्थ्य को लेकर सजग हो रही हैं।

यह भागीदारी अभियान के उस मूल विचार को मजबूती देती है, जिसमें माना गया है कि जब एक महिला स्वस्थ होती है, तभी पूरा परिवार और समाज सशक्त बनता है।

इन शिविरों में महिला स्वास्थ्य, पोषण व अनीमिया की जांच को विशेष प्राथमिकता दी गई, जिसके अंतर्गत पांच लाख से अधिक लोगों की अनीमिया जांच की गई। यह आंकड़ा न केवल जांच की व्यापकता को दर्शाता है, बल्कि यह भी बताता है कि राज्य सरकार महिलाओं में खून की कमी जैसी पुरानी समस्याओं को लेकर अब ठोस कदम उठा रही है। गर्भवती महिलाओं की एएनसी जांच, बच्चों का टीकाकरण, उच्च रक्तचाप, मधुमेह, टीबी, कैंसर और सिकल सेल जैसे रोगों की स्क्रीनिंग को भी शिविरों में प्राथमिकता के साथ शामिल किया गया। परिणामस्वरूप 1.91 लाख गर्भवती महिलाओं की जांच हुई, 2.72 लाख लोगों की सिकल सेल स्क्रीनिंग की गई, 3.72 लाख लोगों की टीबी जांच की गई और 67 हजार से अधिक बच्चों को टीके लगाए गए।

अभियान सिर्फ इलाज तक सीमित नहीं रहा। इन शिविरों में महिला स्वास्थ्य कर्मियों और विशेषज्ञों ने बड़ी संख्या में महिलाओं को संतुलित आहार, आयरन-फोलिक एसिड की महत्ता, स्वच्छता और जीवनशैली में सुधार जैसे विषयों पर परामर्श दिया। यह पहल केवल उपचार नहीं, बल्कि समय रहते रोगों की पहचान और रोकथाम की दिशा में भी कारगर सिद्ध हो रही है। लगभग 13 लाख लोगों को विभिन्न स्वास्थ्य विषयों पर जागरूक किया गया, जिससे यह स्पष्ट होता है कि अभियान के माध्यम से केवल बीमारियों का उपचार नहीं, बल्कि जनसामान्य में स्वास्थ्य के प्रति सोच बदलने का प्रयास किया जा रहा है।

अभियान की व्यापकता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि अभियान के अंतर्गत नवरात्रि महोत्सव को महिला स्वास्थ्य और परिवार सशक्तिकरण से जोड़ते हुए एक अभिनव पहल शुरू की गई। राज्य के विभिन्न जिलों में माता पंडालों और गरबा स्थलों पर हजारों महिलाओं ने 'स्वस्थ नारी' सुरक्षित परिवार का संकल्प लिया। स्वास्थ्य विभाग की टीमों ने इस अवसर पर महिलाओं को स्वच्छता, संतुलित आहार, नियमित स्वास्थ्य जांच और मासिक धर्म स्वच्छता के महत्व से अवगत कराया।

राज्य सरकार ने वरिष्ठ नागरिकों को भी इस अभियान के दायरे में शामिल किया है। इस दौरान 36,186 हितग्राहियों को आयुष्मान वय वंदना कार्ड व प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना व वितरित किए गए हैं, जिससे अब उन्हें भी उच्चस्तरीय स्वास्थ्य सेवाओं तक निःशुल्क पहुंच मिल सकेगी। छत्तीसगढ़ का यह अभियान अब केवल स्वास्थ्य सुविधा का विस्तार नहीं, बल्कि सामाजिक सशक्तिकरण का एक मॉडल बनता जा रहा है।

चुनाव आयोग के महिमा मंडन के साइड इफेक्ट

श्रीकंचनपथ

कहते हैं अनावश्यक महिमा मंडन किसी भी व्यक्ति या संस्था को बर्बाद कर सकता है। निर्वाचन आयोग के साथ भी यही हो रहा है। देश का चुनाव आयोग इन दिनों अत्यंत व्यस्त है। वह एक-साथ कई सारे सुधारों पर काम कर रहा है। निर्वाचक नामावलि में संशोधन भी इसका एक हिस्सा है। 10-20 साल पहले भी यह सुनने में आ जाता था कि फलां व्यक्ति का नाम 2 बार या 3 बार वोटर लिस्ट में है। इसमें से एक पता वह है जहां कि वह ज्यादातर समय रहता है। दूसरा पता वह है जहां उसका पुश्तैनी घर है। एक तीसरी जगह भी हो सकती है। वोटर लिस्ट संशोधन करने वाले घर-घर जाते और वहां रहने वालों के बारे में पूछताछ करते। सीधे-सादे लोग पूरे परिवार का नाम लिखवा देते। उनका भी जो शहर में जा बसे हैं या नौकरी कर रहे हैं। उन्हें लगता था कि इसका असर राशन कार्ड पर पड़ सकता है। इसे रोकने या जांचने का कोई तरीका भी नहीं था। यह कोई बदमाशी भी नहीं थी। अधिकांश लोग एक ही जगह मताधिकार का प्रयोग करते थे। पर अब प्रत्येक व्यक्ति के पास अपना एक नंबर है - आधार नंबर। यह डाटा कम्प्यूटरीकृत है। बायोमैट्रिक्स के चलते यहां डुप्लीकेसी संभव नहीं है। अर्थात एक व्यक्ति का नाम दो बार वोटर लिस्ट में आ ही नहीं सकता। पर चुनाव आयोग इससे सहमत नहीं था। वह तो वोटर आईडी या राशन कार्ड को भी मानने से इंकार कर रहा था। 4 जून 2025 के आदेश के अनुसार, 2003 की मतदाता सूची में शामिल नहीं होने वाले लगभग 2.93 करोड़ लोगों को अपनी पात्रता साबित करने के लिए 11 दस्तावेजों में से कम से कम एक जमा करना था। इनमें सरकारी पहचान पत्र, जन्म प्रमाण पत्र, पासपोर्ट, मैट्रिकुलेशन प्रमाण पत्र, स्थायी निवास प्रमाण पत्र, वन अधिकार प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र, नेशनल रजिस्टर ऑफ सिटिजन्स में एंट्री, परिवार रजिस्टर, और भूमि या घर आवंटन प्रमाण पत्र शामिल थे। सुप्रीम कोर्ट के हस्तक्षेप के बाद आधार को 12वें दस्तावेज के रूप में शामिल किया गया। इसके बाद क्षेत्राधिकार को लेकर भी लंबी बहस छिड़ी। बहरहाल, फाइनल वोटर लिस्ट आ चुका है पर खामियां जस की तस हैं। प्रक्रिया के दौरान खुलासा हुआ कि गयाजी के मकान नंबर 6 में 947 वोटर थे। संशोधन के बाद भी यह स्थिति बनी हुई है। ऐसे लोगों के नाम अब भी वोटर लिस्ट में हैं जिनकी मौत 5 साल पहले हो चुकी है। पश्चिमी चंपारण, बांका, मधेपुरा, वैशाली और पटना समेत कई जिलों में जिंदा लोगों को मरा हुआ दर्ज किया गया है। मजे की बात यह है कि ड्राफ्ट लिस्ट में ही यह गड़बड़ी सामने आ गई थी पर फाइनल में भी इसे सुधारा नहीं जा सका। अब एक मीडिया सर्वे ने मृत बताए गए जीवित वोटरों की एक लिस्ट छाप दी है। देखना यह है कि अब आयोग क्या कहता है।

संपादकीय

मेहनत की कमाई में सेंधमारी

कैसी विडंबना है कि भोले-भाले लोगों से छल करके खून-पसीने से हासिल जीवनभर की पूंजी ऑनलाइन डकैती में लूट ली जाती है। जिसकी वापसी के लिए तंत्र की कोई जवाबदेही और कानून-व्यवस्था से कोई गारंटी सुनिश्चित नहीं है। जब तंत्र लगातार ऑनलाइन सेवाओं के उपयोग के लिये प्रेरित करता है तो उसे जनधन की सुरक्षा की गारंटी भी सुनिश्चित करनी चाहिए। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो यानी एनसीआरबी द्वारा जारी हालिया आंकड़े इस संकटपूर्ण स्थिति का खुलासा करते हैं।

एनसीआरबी की रिपोर्ट खुलासा करती है कि वर्ष 2023 में साइबर क्राइम की घटनाओं में 31.2 प्रतिशत की तेज वृद्धि देखी गई है। जिसके आने वाले वर्षों में और अधिक होने की आशंका जतायी जा रही है। जो इस बात का प्रमाण है कि ऑनलाइन धोखाधड़ी से निबटना अब दिन-प्रतिदिन मुश्किल होता जा रहा है। निश्चित रूप से साइबर क्राइम से जुड़े अपराधों के आंकड़े जुटाने की एनसीआरबी की पहल महत्वपूर्ण है, जो इस संकट से निबटने की अंतर्दृष्टि प्रदान करती है। लेकिन महत्वपूर्ण यह है कि हम इन अपराधों से निबटने के लिये कैसे रणनीति बनाते हैं। साथ ही आम लोगों को जागरूक करने की जरूरत है कि कैसे वे साइबर अपराधियों के संजाल में फंसने से बच सकते हैं।

यूं तो डेटा सुरक्षा के लिये तमाम दिशा-निर्देश सरकार के विभिन्न संगठनों की तरफ से दिए जाते हैं, लेकिन आज भी पुरानी पीढ़ी के तमाम लोग ऐसे हैं जो ऑनलाइन सुविधाओं के उपयोग को लेकर पर्याप्त रूप से साक्षर नहीं होते। ऐसे में लोगों को जागरूक करना जरूरी है कि दैनिक जीवन में ऑनलाइन सेवाओं का उपयोग करते हुए अपने गोपनीय डेटा की सुरक्षा कैसे करें। लेकिन विडंबना यह है कि साइबर अपराधी नित नए तौर-तरीकों से लोगों को लूटने लगते हैं। कुछ समय पहले साइबर लुटेरों ने स्पूफिंग तकनीक से लोगों को शिकार बनाना शुरू किया। वे सोशल मीडिया अकाउंट में घुसपैठ करके धन की उगाही करने लगते। व्यक्ति को संकट में दिखाकर उसके रिश्तेदारों से धन ऐंठने लगते।

विडंबना यह है कि साइबर ठगी की तकनीक उपभोक्ताओं के मोबाइल नंबरों और ई-मेल खातों तक भी पहुंच गई। दरअसल, कभी हैकिंग, तो कभी स्पूफिंग के कपटपूर्ण छल का मकसद लोगों की जमा-पूंजी को निशाना बनाना ही रहा है। दरअसल, जब तक लोग ठगी के इन तौर-तरीकों को समझ पाते, साइबर ठग नई तकनीक के सहारे लोगों को भ्रमित कर चूना लगाने की नई कोशिश में लग जाते हैं। ऐसे में साइबर अपराधों के बढ़ते मामलों के बीच सवाल उठता है कि हमारा तंत्र इन घटनाओं में पर प्रभावी रोक लगाने में कामयाब क्यों नहीं हो पाता। आखिर फोन व कंप्यूटर में मजबूत एंटी वायरस और इंटरनेट सुरक्षा सॉफ्टवेयर क्यों कामयाब नहीं होते।

आखिर क्यों साइबर घुसपैठ के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई नहीं हो पाती। इन पर रोक के लिये कोई कारगर व्यवस्था व मैकेनिज्म क्यों नहीं बन पा रहा है। दूरसंचार नियामक ट्राई की अपनी सीमाएं हैं। संकट यह भी है कि ज्यादातर साइबर अपराध की घटनाएं प्रॉक्सी यानी छद्म सर्वर या फिर वीपीएन यानी वर्चुअल प्राइवेट नेटवर्क के जरिये अंजाम दी जाती हैं। ज्यादातर अपराध भारत के बाहर से संचालित होते हैं। यही वजह है कि जालसाज विदेश में बैठकर भी भारत के अपराधियों की मदद से धोखाधड़ी का नेटवर्क बना लते हैं। इससे वे भारतीय नागरिकों को चपत लगाने में सफल हो जाते हैं।

निस्संदेह, ऐसे मामलों में व्यक्तिगत सावधानी और सजगता-सतर्कता मददगार साबित हो सकती है। खासकर इंटरनेट बैंकिंग का प्रयोग करते वक्त अतिरिक्त सावधानी से ऐसी धोखाधड़ी से बचा जा सकता है। लोगों को याद रखना चाहिए कि कभी बैंक का कोई अधिकारी खाताधारक से निजी व गोपनीय जानकारी नहीं पूछता है। वो कभी फोन व ई-मेल से ऐसी जानकारी नहीं मांगता है। इसलिए जरूरी है कि यदि कोई व्यक्ति बैंक खाते की सुरक्षा से जुड़े पासवर्ड,पिन, सीवीवी तथा खाता नंबर की जानकारी मेल या फोन से मांगता है तो उसे नजरअंदाज करना चाहिए। ऐसी ही सावधानी हाऊस अरेस्ट के मामलों में भी बरतनी चाहिए। साथ ही असली-नकली वेबसाइट की सावधानी से जांच करनी चाहिए।

आरएसएसः सेवा, त्याग और राष्ट्र निर्माण की शताब्दी यात्रा

राजनाथ सिंह

27 सितंबर 1925 को जब डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार ने नागपुर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की स्थापना की थी, तब शायद ही किसी ने ऐसा सोचा होगा कि आगामी सौ वर्षों में यह संगठन इतना विशाल और प्रभावशाली बन जाएगा। बीते दस दशकों में आरएसएस ने भारत की सामाजिक बुनियाद को मजबूत किया है, उसकी संप्रभुता की रक्षा की है, कमजोर वर्गों को सशक्त बनाया है और भारतीय सभ्यता के मूल्यों को संजोए रखा है। वर्तमान में आरएसएस निःस्वार्थ सेवा का जीवंत प्रतीक बन गया है। आरएसएस के शताब्दी उत्सव के अवसर पर, उसकी यात्रा को पुनः याद करना उचित भी है और आवश्यक भी।

हाल ही में दिल्ली में हुए एक कार्यक्रम में सरसंघचालक मोहन भागवत ने संघ के समावेशी विचारों पर चर्चा करते हुए कहा धर्म व्यक्तिगत पसंद का विषय है; इसमें किसी तरह का प्रलोभन या जोर-जबरदस्ती नहीं होनी चाहिए। यह वक्तव्य संघ की मूल विचारधारा को प्रतिबिंबित करता है कि समाज में टकराव नहीं, सामंजस्य हो ; बिखराव नहीं, एकता हो और केवल भौतिक वस्तुओं की प्रतिस्पर्धा नहीं, बल्कि जीवन की सार्थकता पर बल हो। आज भी संघ की दैनिक शाखाएँ और स्वयंसेवकों द्वारा चलाए गए कार्यक्रम; अनुशासन, आत्मबल और भारतीय संस्कृति पर गर्व करने की प्रेरणा देते हैं जिससे श्रेष्ठ भारत के निर्माण का मार्ग सुगम होता हैं।

इसलिए यह अत्यंत स्वाभाविक बात है कि संघ के अनुकरणीय योगदान के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 79वें स्वतंत्रता दिवस पर लाल किले की प्राचीर से संघ को दुनिया का सबसे बड़ा गैर-सरकारी संगठन बताया और देशवासियों को संघ की सौ साल की भव्य, प्रेरणादायक और समर्पित यात्रा के बारे में याद दिलाया।

वर्ष 1947 में जब भारत स्वतंत्रता का उत्सव माना रहा था तब विभाजन की त्रासदी की वजह से बहुत जनहानि हुई थी और लाखों लोगों को अपने घरों से विस्थापित होना पड़ा था। ऐसी भीषण परिस्थिति में आरएसएस के स्वयंसेवक एक अनुशासित, संगठित और निःस्वार्थ सेवकों के रूप में सामने आए। उन्होंने हिंसा से प्रभावित लोगों को सुरक्षा प्रदान करने और चिकित्सा उपलब्ध कराने के साथ विस्थापित लोगों के पुनर्वास में अनन्य योगदान दिया। विभाजन से पहले भी आरएसएस के दूसरे सरसंघचालक गुरुजी (एम.एस. गोलवलकर) और संघ के कई वरिष्ठ नेताओं ने पंजाब के विभिन्न हिंसाग्रस्त क्षेत्रों का दौरा किया था और उन्होंने वहाँ के लोगों को आत्मरक्षा और राहत कार्यों के लिए संगठित किया था। इस दौरान संघ की भूमिका का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि तत्कालीन हालात से घबराये कांग्रेसी नेताओं को भी अपने परिवारों और समुदाय की रक्षा के लिए संघ की मदद लेनी पड़ी थी। स्वयंसेवकों की सेवा के कारण ही द ट्रिब्यून अख़बार ने अपनी एक रिपोर्ट में आरएसएस को "The sword arm of Punjab" कहा था।

संघ द्वारा समाज-सेवा का कार्य विभाजन के बाद भी अनवरत जारी रहा । 1984 में जब सिख विरोधी दंगे भड़काए गए और हजारों सिखों की हत्या की गई, तब भी संघ स्वयंसेवक सिखों की रक्षा और राहत कार्यों के लिए सबसे आगे थे। लेखक खुशवंत सिंह ने इस बात की पुष्टि करते हुए कहा है कि श्रीमति इंदिरा गांधी की हत्या के बाद में हिंदू-सिख एकता बनाए रखने में आरएसएस ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

संघ के कार्यों को देखकर यह बात आसानी से कही जा सकती है कि कुछ लोगों द्वारा आरएसएस पर बहुसंख्यकवादी संगठन होने का आरोप लगाना बिल्कुल निराधार और गलत है। स्वतंत्रता के समय भी संघ ने भारत के अल्पसंख्यकों और उनके पूजा स्थलों की रक्षा में मदद की थी। मार्च 1947 में, जब मुस्लिम लीग द्वारा उकसाई गई भीड़ हरमंदिर साहिब की ओर बढ़ी, तो तलवारों और लाठियों से लैस आरएसएस के स्वयंसेवकों ने न केवल उसका सामना किया बल्कि उसे पीछे हटने पर मजबूर कर दिया था। तीन दिन बाद, जब एक और सुनियोजित हमला हरमंदिर साहिब पर करने का प्रयास किया गया था, तब आरएसएस के स्वयंसेवकों ने एक मानव घेरा बनाकर गुरुद्वारे की रक्षा की थी और हमलावरों को सफलतापूर्वक खदेड़ भगाया था।

भारत के एकीकरण में संघ के योगदान से भी बहुत लोग अवगत नहीं हैं। कश्मीर से गोवा और दादरा नगर हवेली तक, संघ ने भारत की अखंडता को बनाए रखने में निर्णायक भूमिका निभाई है। जब पाकिस्तान समर्थित कबायली हमलावरों ने जम्मू-कश्मीर पर आक्रमण किया, तो सरदार वल्लभभाई पटेल ने महाराजा हरि सिंह को विलय के लिए राजी करने हेतु श्री गुरुजी की मदद मांगी थी। इसके बाद श्री गुरुजी श्रीनगर गए और उन्होंने हरि सिंह को तत्काल विलय करने के लिए मनाने का प्रयास किया था। आरएसएस स्वयंसेवकों ने 1947-48 के युद्ध के दौरान सेना की सहायता भी की थी। साथ ही मीरपुर और मुजफ्फराबाद जैसे क्षेत्रों से भाग रहे शरणार्थियों के लिए राहत कार्यों की व्यवस्था भी संभाली थी।

1954 में स्वयंसेवकों ने दादरा और नगर हवेली को पुर्तगाली शासन से मुक्त कराने में अग्रणी भूमिका निभाई। केआर मलकानी की पुस्तक दी आरएसएस स्टोरी के अनुसार— 2 अगस्त 1954 को लगभग 200 आरएसएस स्वयंसेवकों ने, नाना काजरेकर और सुधीर फड़के के नेतृत्व में, दादरा और नगर हवेली को आज़ाद कराया। उन्होंने राइफल, ब्रेन गन और स्टेन गन से लैस 175 पुर्तगाली सैनिकों को खदेड़ दिया। इसी तरह, गोवा की आज़ादी के लिए आरएसएस ने भूमिगत स्वतंत्रता आंदोलनों में भाग लिया था। पुर्तगाली सैनिकों की गोलीबारी में कई स्वयंसेवकों ने अपने प्राण न्योछावर भी किए। उनका बलिदान गोवा के भारत-विलय में निर्णायक साबित हुआ।

इस प्रकार, आरएसएस ने हमेशा भारत को मजबूत करने के लिए कार्य किया है। 1975 के दौरान, संघ ने आपातकाल का मजबूती से विरोध किया था। इसके खिलाफ लाखों स्वयंसेवक संगठित होकर भारत के संविधान की रक्षा के लिए खड़े हो गए। जनवरी 1976 में द इकोनॉमिस्ट ने अपनी एक रिपोर्ट में लिखा था —इस आंदोलन की मुख्य ताकत जनसंघ और उससे जुड़ा संगठन आरएसएस है।

यह वह समय था, जब लोगों और संस्थाओ को केवल झुकने को कहा जाता था तो वे रेंगने के लिए तैयार थे। इन परिस्थितियों में आरएसएस ने अपने दृढ़ संकल्प का परिचय दिया। उसके असंख्य कार्यकर्ता तानाशाही के खिलाफ बिना डरे खड़े हुए और लोगों को एक लोकतांत्रिक विकल्प प्रदान करने के लिए काम किया। यह संघ के लोकतंत्र के प्रति संकल्प का प्रमाण है।

आरएसएस संवैधानिक मूल्यों के प्रति प्रतिबद्ध है। वनवासी और हाशिए के समुदायों के उत्थान के लिए, आरएसएस के द्वारा किए जा रहे कार्यों से यह बात पूर्णतया सिद्ध होती है। वर्ष 1952 में स्थापित, अखिल भारतीय वनवासी कल्याण आश्रम, आज देश का सबसे बड़ा आदिवासी कल्याण संगठन है। वर्तमान में यह संगठन देश के 323 जिलों की लगभग 52,000 बस्तियों और गाँवों में 20,000 से अधिक परियोजनाएँ चला रहा है। इन परियोजनाओं में शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, कौशल विकास और सांस्कृतिक पुनर्जागरण जैसी गतिविधियाँ शामिल हैं। आरएसएस का दृष्टिकोण हमेशा वनवासी समाज को उनकी पहचान के साथ राष्ट्रीय मुख्यधारा से जोड़ने और उनका आत्मगौरव बढ़ाने का रहा है।

आरएसएस को महात्मा गांधी जी के नाम पर भी अक्सर निशाना बनाया जाता है। हालांकि महात्मा गांधी और आरएसएस के बीच कुछ वैचारिक मतभेद अवश्य रहे, लेकिन कभी मनभेद या वैमनस्य का भाव नहीं रहा।। महात्मा गाँधी ने कई अवसरों पर संघ के अनुशासन और राष्ट्र सेवा की प्रशंसा की है। वर्ष 1934 में गांधीजी ने वर्धा में आरएसएस के एक शिविर का दौरा भी किया था जहां उन्होंने संघ के अनुशासन, अस्पृश्यता के पूर्ण अभाव और उच्च सादगी की सराहना की थी। विभाजन की त्रासदी के दौरान, 16 सितंबर 1947 को, गांधीजी ने दिल्ली में आरएसएस की एक सभा को संबोधित किया था। इस दौरान उन्होंने संघ की सेवा एवं बलिदान की भावना की प्रशंसा की थी। 30 जनवरी 1948 को गांधीजी की हत्या के बाद, आरएसएस ने श्रद्धांजलि स्वरूप अपनी सभी शाखाएँ 13 दिनों के लिए स्थगित कर दीं थी। ऐसा संघ के इतिहास में सिर्फ एक बार हुआ है। यह बातें दोनों की ओर से एक दूसरे के प्रति पारस्परिक सम्मान होने की गवाही देती हैं।

इस प्रकार, आरएसएस ने विचारों की विविधता का हमेशा सम्मान किया है। यह बात संघ के देशव्यापी और खासकर पूर्वोत्तर भारत में किए जा रहे कार्यों से भी प्रदर्शित होती है। उपनिवेशवाद के दौरान हुए कुशासन और आजादी के बाद नीतिगत उपेक्षा के कारण पूर्वोत्तर भारत और वहाँ के लोग अलगाववाद और उग्रवाद से जूझते रहे। लेकिन आरएसएस ने 1946 में गुवाहाटी में पहली शाखा स्थापित की और तब से इस क्षेत्र को राष्ट्रीय धारा से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। बहुत सी चुनौतियों के बीच, यहाँ संघ ने विद्यालयों, स्वास्थ्य शिविरों, आपदा राहत कार्यों और सामुदायिक निर्माण जैसे कार्यों के जरिए सामाजिक पूंजी को बढ़ाया है और लोगों के बीच विश्वास कायम किया है।

आज जब आरएसएस एक सदी की सफल यात्रा पूर्ण कर रहा है, यह बात कहना कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी कि राष्ट्र निर्माण में उसका योगदान अप्रतिम और अतुलनीय है। कोविड-19 महामारी के दौरान भी संघ और उसके स्वयंसेवकों ने बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उदाहरण के लिए मई 2021 में लगभग 300 स्वयंसेवकों ने कोलार में लंबे समय से बंद पड़े एक अस्पताल को मात्र दो सप्ताह में फिर से शुरू किया जिससे अनेकों लोगों को अत्यंत आवश्यक राहत मिली। ऐसे कार्य दर्शाते हैं कि एक सदी बाद भी आरएसएस उसी भाव और समर्पण के साथ मानवता और देश की सेवा कर रहा है, जिसके साथ इसकी नींव एक शताब्दी पहले रखी गई थी।

रावणी सोच से लड़ें : आसुरी प्रवृत्तियों के खिलाफ खड़े हों हम

भारत में वर्षा ऋतु की राहत-आफ्त के बाद पर्व-त्योहार और प्रेरक आयोजनों की जो श्रृंखला शुरू होती है, वह पूरे समाज को ऊर्जावान बना जाती है। जिन जुमलों के साथ आज राजनेता चमकने की कवायद करते हैं, उनके निहितार्थ पहले से ही हमारे सांस्कृतिक मूल्यों में विद्यमान हैं। कन्या-पूजन की परंपरा में स्वतः ही 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' से आगे जाकर, उसे गरिमामय स्थान देने की प्रेरणा नवरात्र में गहरे संदेश के साथ निहित है।

रामलीलाओं में उदात्त पारिवारिक मूल्यों की स्थापना का संदेश है। लंकादहन इस बात का निष्कर्ष है कि भोग-विलासिता के साधन क्षणभंगुर हैं। रावण का ऊंचे कद का पुतला स्वाह होने से पहले संदेश दिया जाता है कि बुराई का अंत निश्चित है। यह बात अलग है कि हमने इन पर्वों का मर्म समझने के बजाय इन्हें महज प्रतीकों तक सीमित कर दिया है। यही वजह है कि देश में हर साल लाखों रावण दहन के बावजूद समाज में रावण संस्कृति के अवशेष फलते-फूलते जाते हैं। अगले साल फिर सबसे ऊंचा रावण बनाने की होड़ रहती है। वैसे रावण के व्यक्तित्व के नकारात्मक व सकारात्मक, दोनों ही पक्ष भारी हैं। हाल के वर्षों में कई संगठन और जातीय समूह देश में खड़े हुए हैं जो उसे प्रकांड विद्वान और जीवटता का धनी बताते हैं। बहरहाल, भारतीय समाज में रावण को व्यक्ति के बजाय नकारात्मक प्रवृत्ति के प्रतीक के रूप में चित्रित किया गया है। कहा जाता है कि रावण, दहन के वक्त अट्टहास करता नजर आता है। दहन के वक्त पटाखों की रोशनी में उसके दांत चमकते दिखते हैं, जैसे वह हंस रहा हो कि मैं मरा कहां हूं। मैं तो लाखों छोटे-छोटे रावणों के रूप में समाज में विद्यमान हूं। जैसे कह रहा हो कि त्रेता युग में भगवान शिव से मिला अमरता का वरदान व्यर्थ नहीं गया है। वह कलियुग में फलीभूत हो गया है। वह तमाम नकारात्मक प्रवृत्तियों के रूप में समाज में विद्यमान है।

आज हर सुबह मीडिया में तैरती तमाम नकारात्मकता व मानवता के खिलाफ हिंसा की खबरें सुर्खियां बनी होती हैं। आसुरी सोच न मरती है और न ही जलती है, बल्कि साल-दर-साल और ताकतवर होकर हमारे भीतर विराजमान हो जाती है। शायद इसी वजह से हर साल जलते वक्त रावण अट्टहास करता प्रतीत होता है। दरअसल, दशहरे पर पुतलों के दहन का प्रतीकात्मक महत्व है। इस अवसर पर लगने वाले मेले लोक संस्कृति के प्रतीक हैं। ये जीवन की एकरसता तोड़ने का उपक्रम हैं। हमारे छोटे-छोटे दुकानदारों, पुतले बनाने वाले कारीगरों तथा अन्य लाखों लोगों के अंशकालिक रोजगार का जरिया भी हैं। इन पुतलों को बनाने वाले लाखों कारीगरों की सालभर की कमाई इस आयोजन से होती है। रावण के साथ मेघनाद व कुंभकरण के पुतले भी जलाए जाते हैं। मेघनाद दंभ व अहंकार का प्रतीक है, तो पौराणिक मान्यताओं के अनुसार छह माह तक सोने वाला कुंभकरण आलस्य व प्रमाद का प्रतीक है। इन पुतलों का संदेश है कि ऐसे पुत्र व भाई भी विनाश के कारक बन सकते हैं। बहरहाल, इन पुतलों का दहन हमें आत्ममंथन को बाध्य करता है कि क्या हम आज तेजी से आसुरी प्रवृत्तियों से ग्रसित नहीं होते जा रहे हैं? अहंकार, ईगो के रूप में ताकत का प्रदर्शन, असहनशीलता, घृणा से प्रतिकार, बदले की हिंसा, आर्थिक व राजनीतिक ताकत से कमजोर को दबाने जैसी आसुरी प्रवृत्तियों वाले छोटे-छोटे रावण क्या हमारे चारों ओर विद्यमान नहीं हैं? शक के आधार पर किसी को मारना, कानून को अपने हाथ में लेना, खून के रिश्तों का कत्ल, जीवन भर साथ निभाने वाले रिश्तों में छल, असहनशीलता और बदलाखोरी—इनमें रावणी प्रवृत्तियों का ही तो वास है। सचमुच, आज के दौर में रावण बनना आसान है और राम जैसा बनना असंभव लगता है। दरअसल, रावण न मारने से मरता है और न ही जलाने से जलता है। जब तक हम समाज में एकजुट नहीं होते, आसुरी प्रवृत्तियों के खिलाफ खड़े नहीं होते, वह छोटे-छोटे दानवों में बना रहेगा। समाज में दानवी प्रवृत्तियां तब तक अंधेरे का साम्राज्य स्थापित करने की कोशिशों में लगी रहेंगी, जब तक समाज उठ खड़ा होकर उनका प्रतिकार नहीं करता।

मोटापे और कुपोषण से सीधे निपटनाः मिशन सक्षम आंगनवाड़ी और पोषण 2.0 रणनीति

अन्नपूर्णा देवी, केन्द्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री

2018 में, माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जीके दूरदर्शी नेतृत्व में, भारत के पोषण परिदृश्य को रूपांतरित करने के लिए एक प्रमुख योजना के रूप में पोषण अभियान शुरू किया गया था। महिलाओं और बच्चों के पोषण एवं कल्याण पर केंद्रित यह मिशन, भारत की कुपोषण के विरुद्ध लड़ाई में एक निर्णायक मोड़ साबित हुआ है। यह केवल एक योजना नहीं, बल्कि एक विकासशील भारत के निर्माण हेतु प्रतिबद्धता है- एक ऐसा भारत जो स्वस्थ, सशक्त और समावेशी हो।' विकसित भारत@2047' की यात्रा में पोषण अभियान एक प्रमुख स्तंभ बनकर उभरा है। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय इस लक्ष्य की प्राप्ति हेतु संकल्पित है- एक ऐसा भारत जहाँ हर बच्चा सुपोषित हो, हर माँ सशक्त हो, और हर नागरिक को आगे बढ़ने का अवसर मिले।

जब एक बच्चा सही पोषण पाता है, अच्छीतरह सीखता है और मजबूतीसेबढ़ता है- तो हम केवल एक जीवन नहीं, बल्कि सम्पूर्णराष्ट्र की दिशा बदलते हैं। बच्चों को पर्याप्त पोषण, शिक्षा और सामुदायिक देखभाल प्रदान करके हम एक सुरक्षित और समृद्ध भविष्य में निवेश कर रहे हैं- विकसित भारत के भावी नेतृत्व को आकार दे रहे हैं। एक स्वस्थ बच्चा केवल लाभार्थी नहीं, बल्कि भारत के उज्ज्वल भविष्य की चिंगारी है।

मिशन सक्षम आंगनवाड़ी और पोषण2.0 के माध्यम से मंत्रालय बच्चों, किशोरियों, गर्भवती महिलाओं और धात्री माताओं के पोषण परिणामों को बेहतर बनाने हेतु एक समन्वित तंत्र विकसित कर रहा है। इस अभियान का केंद्र है, देशभर में फैले 14 लाख आंगनवाड़ी केंद्रों का विशाल नेटवर्क, जो लगभग 10 करोड़ लाभार्थियों को सेवा प्रदान कर रहा है। यद्यपि इसमें 1 करोड़ से अधिक महिलाएँ और 23 लाख से अधिक किशोरियाँ शामिल हैं, लेकिन लाभार्थियों में से अधिकांश 6 महीने से 6 वर्ष की आयु के बच्चे हैं।

महिला एवं बाल विकास मंत्रालय 'एक समय पर एक भोजन' के सिद्धांत पर कार्य करते हुए 8 करोड़ से अधिक बच्चों के स्वास्थ्य और पोषण के जरिए, भविष्य को पोषित कर रहा है। इस प्रयास का मूल है- पूरक पोषण कार्यक्रम, जिसके अंतर्गत बच्चों को गर्म पका हुआ भोजन और सभी लाभार्थियों को पौष्टिक टेक होम राशन प्रदान किया जाता है, जिसका उद्देश्य अनुशंसित आहार भत्ता (आरडीए) और औसत दैनिक सेवन (एडीआई) के बीच के महत्वपूर्ण अंतर को पाटना है। हम विविध आहार को अपनाते हुए स्थानीय, मौसमी और पारंपरिक खाद्य पदार्थों जैसे श्री अन्न- जैसे ज्वार, बाजरा, रागी, कुट्टू आदि को बढ़ावादेकर- हम यह सुनिश्चित करने का प्रयास कर रहे हैं कि प्रत्येक बच्चे को सीखने, बढ़ने और फलने-फूलने के लिए आवश्यक ऊर्जा मिले।

जहाँ हमने बच्चों में स्टंटिंग और वेस्टिंग की समस्याओं सेनिपटने में प्रगति की है, वहीं अब हम एक अन्य महत्वपूर्ण पोषण संकेतक- अधिक वजन और मोटापे की समस्या को भी दूर करने की दिशा में अग्रसर हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, बचपन में मोटापा बच्चों के वयस्क होने पर उनके लिए गंभीर परिणाम उत्पन्न कर सकता है, जिससे टाइप-2 मधुमेह और उच्च रक्तचाप जैसी गैर-संचारी बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। मोटापे और अधिक वजन के मनोवैज्ञानिक परिणाम भी हो सकते हैं, जो स्कूल के प्रदर्शन और जीवन की गुणवत्ता को प्रभावित करते हैं, और बढ़ते भेदभाव और कलंक के कारण यह स्थिति और भी बदतर हो जाती है।

यूनिवर्सिटी ऑफ सदर्न कैलिफोर्निया द्वारा यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया बर्कले और मैकगिल के सहयोग से किए गए एक अध्ययन में पाया गया कि जिन बच्चों को गर्भावस्था के दौरान गर्भ में रहते हुए भी, अपने पहले 1,000 दिनों के दौरान चीनी सेवन पर नियंत्रण लगाया गया, उनमें वयस्क होने पर टाइप 2 मधुमेह होने का जोखिम 35 प्रतिशत तक कम और उच्च रक्तचाप होने का जोखिम 20 प्रतिशत तक कम हो गया। यह दर्शाता है कि गर्भवती माँ का चीनी सेवन भी बच्चों के दीर्घकालिक स्वास्थ्य पर प्रभाव डालता है।

इस समस्या के समाधान और पूरक पोषण की समग्र गुणवत्ता में सुधार के लिए, मंत्रालय ने हाल ही में राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को पूरक पोषण की संरचना के संबंध में एक परामर्श जारी किया है। यह विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) और राष्ट्रीय पोषण संस्थान (NIN) की सिफारिशों के अनुरूप है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) के दिशानिर्देशों के अनुसार, वयस्कों और बच्चों, दोनों के लिए चीनी का सेवन कुल दैनिक ऊर्जा सेवन के 10 प्रतिशत तक कम किया जाना चाहिए। WHO दैनिक ऊर्जा सेवन में अधिमुक्त शर्करा (free sugars)की मात्रा को और घटाकर 5 प्रतिशत करने की सिफारिश की गई है।

राष्ट्रीय पोषण संस्थान NIN की 2024 के आहार दिशानिर्देशों के अनुसार, 2 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को कोई अतिरिक्त चीनी नहीं दी जानी चाहिए और गर्भवती महिलाओं सहितसभी आयु व जेंडर समूहोंके लिए चीनी का सेवन 5 प्रतिशतसे कम होना चाहिए।

अधिमुक्त शर्करा बच्चों में दंत क्षय (cavities) और दांतों की सड़न- का एक प्रमुख कारण भी है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, यह दंत क्षय (कैविटी)कोबढ़ाने में एक आवश्यकआहार कारक है। चीनी सेवन को सीमित करने से बच्चों में दांतों की सड़न और क्षय को कम किया जा सकता है।

हमारेमंत्रालय ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को परामर्श दिया है कि परिष्कृत चीनी का उपयोग सीमित किया जाए, जरूरत पड़ने पर गुड़ या अन्य प्राकृतिक मिठास का इस्तेमाल करें, और इसे कुल ऊर्जा सेवन के 5 प्रतिशत से कम तक सीमित रखें। हमने अनुरोध किया है कि पूरक पोषण में नमक का इस्तेमाल कम से कम किया जाए। हम राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से सुबह के नाश्ते और स्वास्थ्यवर्धक आहार में मिठास वाले व्यंजनों की संख्या भी घटाने का आग्रह किया गया है।

हम राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को ऐसे THR व्यंजन विकसित करने के लिए प्रोत्साहित कर रहे हैं जिनमें अतिरिक्त नमक और चीनी न हो, जिससे लाभार्थी अपनी व्यक्तिगत पसंद के अनुसार स्वाद बदल सकें। सभी आयु समूहों में वसा, नमक और चीनी (HFSS) की अधिकता वाले खाद्य पदार्थों के उपयोग को भी हतोत्साहित किया गया है। खाद्य गुणवत्ता में सुधार के लिए हमने राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों से आग्रह किया है कि सामग्री को खाद्य सुरक्षा और मानक विनियम 2011 का पालन करना चाहिए और शिशु आहार खाद्य सुरक्षा और मानक (शिशु पोषण हेतु खाद्य) विनियम, 2020 का पालन करना चाहिए। अतिरिक्त चीनी को 'ना' कहकर, भारत मोटापे, उच्च रक्तचाप व मधुमेह जैसी रोकथाम योग्य बीमारियों से मुक्त भविष्य के लिए 'हाँ' कह रहा है।

जहाँ पारंपरिक खाद्य पदार्थ बाज़ार में लोकप्रिय हो रहे हैं, वहीं मंत्रालय पहले से ही 'पुष्टाहार'- स्थानीय, मौसमी सामग्री और अनाज जैसे रागी, बाजरा, टुकड़ा गेहूँ, चनाऔर फोर्टिफाइड चावल से बने पौष्टिक प्रीमिक्सप्रदान कर रहा है। ये मिश्रण- स्वाद और पोषण दोनों में समृद्ध हैं, जिन्हें स्थानीय स्वादानुसार मीठे या नमकीन रूप में तैयार किया जा सकता है। पुष्टाहार, दुकानों से खरीदे जाने वाले मिश्रणों का एक स्वास्थ्यवर्धक और अधिक बहुमुखी विकल्प है, जो स्थानीय, मौसमी स्वाद और संपूर्ण पोषण प्रदान करता है।

जैसे-जैसे हम अपने नागरिकों को पर्याप्त कैलोरी प्रदान करके सुपोषित भारत की ओर बढ़ रहे हैं, यह भी महत्वपूर्ण है कि हमारे बच्चों और महिलाओं को जो भोजन दिया जा रहा है,उसकी गुणवत्ता पर ध्यान दें। यह आवश्यक है कि हम अपने बच्चों, जो हमारे देश का भविष्य हैं, को जो भोजन प्रदान करते हैं, वह उनके समग्र विकास और स्वास्थ्य के लिए उपयुक्त होना चाहिए।

हमारेमाननीय प्रधानमंत्री जी ने कहा है, अपने खान-पान की आदतों में छोटे-छोटे बदलाव करके हम अपने भविष्य को अधिक मजबूत, स्वस्थ और रोग-मुक्त बना सकते हैं। इस अमृत काल में, हमारे बच्चों को पौष्टिक भोजन और पर्याप्त कैलोरी उपलब्ध होनी चाहिए। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि उनके लिए भोजन न केवल पर्याप्त होना चाहिए, बल्कि पौष्टिक भी होना चाहिए, जो उनके समग्र विकास और वृद्धि में योगदान दे।

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाऐं
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

श्रीकंचनपथ
भिलाई-दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करे
Mob.-:
9303289950
7987166110

खास खबर

स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने कैट की महिला इकाई 5 अक्टूबर को लगाएगी प्रदर्शनी

दुर्ग। देश की सबसे बड़ी व्यापारी संगठन कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने और महिलाओं को स्वावलंबन से जोड़कर आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में अभियान छेड़ रखा है। इसे लेकर कैट की दुर्ग जिला महिला इकाई द्वारा 5 अक्टूबर को सिटी सेंटर मॉल, फरिश्ता कॉम्पलेक्स के पास, दुर्ग में भव्य दिवाली एक्जीबिशन का आयोजन किया गया है। यह एक्जीबिशन प्रात: 10.30 बजे से शुरु होकर रात्रि 9 बजे तक चलेगा। स्वदेशी भारतीय उत्पादों एवं उद्यमों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित एक्जीबिशन में आत्मनिर्भर महिलाएं हस्तनिर्मित उत्पादों की प्रदर्शनी लगाएंगी। एक्जीबिशन में स्वदेशी उत्पाद के अलावा अन्य पारंपारिक वस्तुएं एवं छत्तीसगढ़ी व्यंजन आकर्षण का केन्द्र होंगे। एक्जीबिशन के आयोजन में स्वावलंबी भारत अभियान और कैट युवा विंग दुर्ग सहयोगी संस्था है। उक्ताशय की जानकारी देते हुए कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) की दुर्ग जिला महिला इकाई अध्यक्ष पायल जैन ने बताया कि कैट की महिला इकाई स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने और महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में लंबे समय से कार्य कर रही है। इस श्रृंखला में एक्जीबिशन का आयोजन किया गया है। यह एक्जीबिशन नही है, बल्कि स्वावलंबी भारत अभियान अंतर्गत महिलाओं को आत्मनिर्भर और रचनात्मकता को नया आयाम देने का प्रयास है।

अंतरराष्ट्रीय वृद्धजन दिवस पर वरिष्ठों का सम्मान

भिलाई। बीएसपी के निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व विभाग द्वारा संचालित बीएसपी सदन में प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी 1 अक्टूबर 2025 को अंतरराष?ट्रीय वृद्धजन दिवस के अवसर पर विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस अवसर पर वरिष्ठजनों का सम्मान, विशेष भजन कार्यक्रम तथा रहवासियों के मनोरंजन के लिए विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ देवी सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर तथा पुष्पांजलि अर्पित कर मुख्य अतिथि पवन कुमार द्वारा किया गया। प्रात: काल सियान सदन परिसर के वरिष्ठजनों का गुलाब भेंट कर स्वागत किया गया।

पत्रकार संतोष यादव का निधन

भिलाई । शहर के वरिष्ठ पत्रकार भिलाई तीन निवासी संतोष यादव को

दिल का दौरा पड़ने से दुखद निधन हो गया. तबियत बिगड़ने पर उन्हें तत्काल बीएमशाह अस्पताल ले जाया गया जहां चिकित्सक प्रयास के बावजूद उन्हें नहीं बचाया जा सके। श्री संतोष यादव स्टील सिटी प्रेस क्लब के सचिव भी थे।

दूरसंचार विभाग में सुरक्षा प्रोत्साहन सप्ताह का आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के दूरसंचार विभाग में सुरक्षा प्रोत्साहन सप्ताह मनाया गया। कर्मचारियों में सुरक्षा जागरूकता बढ़ाने और सुरक्षित कार्य परिवेश को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से सप्ताह भर सुरक्षा विषयक विभिन्न कार्यक्रमों और गतिविधियों का आयोजन किया गया, जिसमें विभागीय कर्मचारियों और अधिकारियों ने अपनी सक्रिय भागीदारी दी।

सुरक्षा प्रोत्साहन सप्ताह का शुभारंभ 19 सितम्बर 2025 को मुख्य महाप्रबंधक डी. सतपथी के मुख्य आतिथ्य तथा महाप्रबंधक प्रकाश की अध्यक्षता में सुरक्षा ध्वज फहराकर एवं दीप प्रज्वलित कर किया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत में विभागीय सुरक्षा अधिकारी व वरिष्ठ प्रबंधक एस. भट्टाचार्य ने सभी उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सुरक्षा शपथ दिलाई और विभागीय सुरक्षा प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। उन्होंने सुरक्षा प्रोत्साहन सप्ताह के दौरान आयोजित होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों एवं प्रतियोगिताओं की जानकारी भी दी। सप्ताह भर चलने वाले इस आयोजन में क्विज़, पोस्टर, स्लोगन, निबंध और कविता प्रतियोगिताओं के साथ-साथ अग्निशामक यंत्रों के प्रदर्शन, प्राथमिक उपचार तथा लाइफस्टाइल डिज़ीज़ पर कार्यशालाएँ आयोजित की गईं। विभाग द्वारा हिंदी के प्रचारदृप्रसार के उद्देश्य से उपरोक्त प्रोत्साहन सप्ताह में सभी गतिविधियां और प्रतियोगिताएं पूर्णत: हिंदी में आयोजित की गयीं।

सुरक्षा प्रोत्साहन सप्ताह का समापन समारोह 23 सितम्बर 2025 को मुख्य महाप्रबंधक टी. के. कृष्ण कुमार के मुख्य आतिथ्य एवं महाप्रबंधक यु. व्ही. सुभद्रा के विशिष्ट आतिथ्य में संपन्न हुआ। समापन समारोह में विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं एवं दूरसंचार विभाग के उत्कृष्ट सुरक्षा कार्मिक और उत्कृष्ट सुरक्षा ठेका श्रमिकों को पुरस्कृत कर सम्मानित किया गया। महाप्रबंधक एच. आर. सिरमौर के मार्गदर्शन में समस्त कार्यक्रमों का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संचालन सहायक महाप्रबंधक संदीप यादव व गिरिराज देशमुख द्वारा किया गया।

योग प्रशिक्षण के साथ दे रहे आयुर्वेद, दर्शन व वेद का परिचय

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। पतंजलि परिवार, दुर्ग की ओर से 25 दिवसीय सह-योग शिक्षक प्रशिक्षण जारी है। ऑनलाइन और ऑफ्लाइन दोनों मोड पर दुर्ग-भिलाई के 4 प्रमुख स्थानों पर इस प्रशिक्षण के अंतर्गत न सिर्फ योग बल्कि आयुर्वेद , दर्शन व वेद की भी जानकारी दी जा रही है।

पतंजलि परिवार की ओर से दुर्ग जिला प्रभारी नरेंद्र पटेल ने बताया कि ऑनलाइन मोड पर 17 सितंबर से यह प्रशिक्षण शुरु हो चुका है। वहीं ऑफ्लाइन मोड पर गायत्री मंदिर रामनगर,इस्पात क्लब सेक्टर-7 भिलाई, गजानंद मंदिर आर्य नगर दुर्ग और एचएससीएल कालोनी रूआबांधा में प्रशिक्षण जारी है। ऑफलाइन प्रशिक्षण का समय सुबह 6 से 7:30 बजे रखा गया है। नरेंद्र पटेल ने

बताया कि यह 25 दिवसीय प्रशिक्षण 100 घंटे का है, जिसमें प्रैक्टिकल और थ्योरेटिकल दोनों तरह के अध्ययन कराए जा रहे हैं। इसके पश्चात 1 घंटे की परीक्षा होगी, जिसे उत्तीर्ण करने वाले साथी को पतंजलि योगपीठ, हरिद्वार द्वारा सहयोग शिक्षक प्रशिक्षित का प्रमाण पत्र प्रदान किया जाएगा। इसके अंतर्गत यहां योग व आयुर्वेद का पाठ्यक्रम संचालित किया जा रहा है जिसमें दर्शन, वेद और उपनिषद के विषय में भी परिचय दिया जा रहा है। वही योग एक्यूप्रेशर जड़ी बूटी और घरेलू उपचार का प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि यहां से प्रशिक्षण लेने के उपरांत हरिद्वार शिविर में निशुल्क भागीदारी का अवसर मिलेगा और योग शिक्षक बनने पर रोजगार का अवसर भी मिलेगा। यहां प्रशिक्षकों में गायत्री मंदिर रामनगर में तिजऊ राम साहू, इस्पात क्लब सेक्टर 7 में जे आर बिसेन, टी आर सोनी एवं श्री वर्मा, शिव मंदिर एचसीएल कॉलोनी, रूआबांधा में आर.पी.शर्मा एवं राजेश तिवारी, गजानन मंदिर उद्यान गजानन नगर, दुर्ग में उद्धव राम साहू, अभय खनंग, संदीप गुप्ता और दिनेश मिश्रा प्रशिक्षण दे रहे हैं। श्री पटेल ने बताया कि इस प्रशिक्षण का उद्देश्य योग शिक्षकों को प्रशिक्षित करना और उन्हें योग के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करना है।

भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के पदाधिकारियों ने वरिष्ठों और समाजसेवियों को सम्मानित किया

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भारतीय जनता पार्टी अल्पसंख्यक मोर्चा ने सेवा पखवाड़ा कार्यक्रम के तहत अल्पसंख्यक वर्ग के वरिष्ठ नागरिकों और समाजसेवियों का सम्मान किया। इनमें जयचंद डोंगरे, कॉविड डेज, ओबेद दास, डॉ जोसमोन, डॉ सी.एन. विनोद, रूपेश डेनियल, अमित कुमार, पाल सोमनाथ, सुशील बाग, राहुल मसीह, ऐजे मैथ्यू, मोहम्मद इस्माइल फिरोजी, मीर कासिम, अरमान आलम और असलम कुरैशी शामिल थे। यह कार्यक्रम भाजपा जिला कार्यालय में अल्पसंख्यक मोर्चा जिलाध्यक्ष साजन जोसेफकी अध्यक्षता में हुई। इस अवसर पर भाजपा नेताओं ने केंद्र और राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभ हर वर्ग तक पहुंचाने के महत्व पर जोर दिया। जिला अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक ने कहा कि भाजपा का मूल मंत्र सेवा, राष्ट्रवाद और जनता की भलाई है। अल्पसंख्यक मोर्चा जिला प्रभारी अबरार सिद्दीकी ने कहा कि भाजपा धार्मिक और सामाजिक भेदभाव से ऊपर उठकर हर वर्ग के उत्थान पर काम करती है।

महापौर अलका बाघमार ने भी सेवा पखवाड़ा में अल्पसंख्यक वर्ग की सक्रिय भागीदारी और योजनाओं के समान लाभ की बात कही। अल्पसंख्यक मोर्चा जिला अध्यक्ष साजन जोसेफ ने कहा कि अल्पसंख्यक वर्ग ने सेवा पखवाड़ा में बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया।

क्विज में पूछे दीन से जुड़े सवाल बच्चों ने रंग भरे कैनवास पर

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भिलाई नगर मस्जिद ट्रस्ट की ओर से जीलानी क्विज़ और ड्राइंग-पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन जामा मस्जिद सेक्टर-6 के मुस्लिम कम्युनिटी हॉल में किया गया। इसमें दुर्ग-भिलाई के बच्चों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया। क्विज में दीनी मालूमात के सवाल रोचक ढंग से पूछे गए। वहीं ड्राइंग पेंटिंग में बच्चों ने दरगाह, मस्जिदों और दूसरी इस्लामिक महत्व की इमारतों को कैनवास पर उतारा।

ट्रस्ट के सदर एम आसिम बेग ने कहा कि आयोजन का मकसद, समाज के बच्चों की प्रतिभा को निखारना एवं उनकी झिझक को दूर करना है जिससे उनका आत्मविश्वास बढ़ सके। उन्होंने बताया कि क्विज में 90 बच्चे और ड्राइंग-पेंटिंग में 82 बच्चों ने भाग लिया।

क्विज़ प्रतियोगिता में मुख्य अतिथि अशरफी मस्जिद जोन 3 के इमाम मुफ्ती जामी क़मर अजहरी ने आयोजन की तारीफ करते हुए बच्चों से दीनी सवालात पूछे और उन्हें अपना मार्गदर्शन भी दिया। ड्राइंग एवं पेंटिंग प्रतियोगिता में भिलाई नगर मस्जिद ट्रस्ट के साबिक सदर और रिटायर प्रिंसिपल जमील अहमद ने मुख्य निर्णायक की भी भूमिका अदा की और विजेताओं के नाम की घोषणा की कार्यक्रम की सराहना की।

क्विज प्रतियोगिता के विशेष अतिथि फरीदिया मस्जिद फरीद नगर के इमाम हाफिज़ अमीर सालिम उल कादरी ने भी क्विज़ में निर्णायक भी रहे। उन्होंने बच्चों से कई सवाल पूछे। विशेष अतिथि बैतुलमाल कमेटी भिलाई के अध्यक्ष हमीदुल्लाह सिद्दीकी ड्राइंग प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में रहे। सदारत कर रहे जामा मस्जिद सेक्टर-6 के इमाम मौलाना इकबाल अंजुम अशरफी ने बच्चों की हौसला अफज़ाई करते हुए कहा कि सभी ने बहुत ही सराहनीय प्रदर्शन किया और जो बच्चे किन्हीं वजहों से आज विजेता का इनाम ले जाने से चूक गए, वो बिल्कुल भी मायूस न हों, अल्लाह पर भरोसा रखें फिर से अगले पड़ाव की तैयारी करें, वे जरूर कामयाब होंगे। इस प्रोग्राम के डायरेक्टर अब्दुल हफ़िज़ की मेहनत से प्रतियोगिता सफलतापूर्वक संपन्न हुई। आयोजन को कामयाब बनाने में भिलाई नगर मस्जिद ट्रस्ट के सेक्रेटरी सैयद हुसैन, सैयद आतिफ अली, अलीम सिद्दीकी, तहूर पवार, शमीम अहमद, जमील कुरैशी, नसीम खान, शमशेर खान,ज़फ़र जावेद,मुहम्मद ज़मीर, जिया अहमद, फ्तेह मुहम्मद, असदुद्दीन हैदर, वहीद खान के अलावा सहयोगी के रूप में मुहम्मद ज़फ़र, शेख एकेडमी के शेख सर, मोहिद खान, अमजद अली, सैयद हसन, नावेद खान, फैज़ान हसन,मुहम्मद सरफराज, शादाब अहमद, सोहेल अमीर और अरबाज खान आदि की प्रमुख भूमिका रही।

एमआरडी ने एक ही दिन में 108 स्लैग वाहनों का प्रेषण कर रचा नया कीर्तिमान

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के मटेरियल रिकवरी विभाग (एमआरडी) ने स्लैग प्रबंधन के क्षेत्र में एक और उल्लेखनीय उपलब्धि दर्ज करते हुए उत्कृष्ट प्रचालन क्षमता का परिचय दिया है। 29 सितम्बर 2025 को एमआरडी ने एक ही दिन में 108 वाहनों में स्लैग की बिक्री एवं प्रेषण सफलतापूर्वक कर एक नया मील का पत्थर स्थापित किया।

यह उपलब्धि हाल ही में प्रारंभ किए गए अतिरिक्त कैनाल गेट के माध्यम से संभव हो सकी, जिसे कुछ माह पूर्व सीईडी, इंस्ट्रूमेंटेशन, सी एंड आईटी तथा मैकेनिकल सर्विसेज विभागों के समन्वित प्रयासों से परिचालन प्रक्रिया में शामिल किया गया था। इस गेट की उपलब्धता से निष्कासन क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, जिससे एमआरडी अब अधिक मात्रा में स्लैग का तीव्र एवं कुशल प्रबंधन सुनिश्चित करने में सक्षम हुआ है।

एलडी स्लैग का कुशल प्रबंधन और निष्पादन न केवल इस्पात उत्पादन की निरंतरता बनाए रखने के लिए आवश्यक है, बल्कि यह परिपत्र अर्थव्यवस्था (सर्कुलर अर्थव्यवस्था) की दिशा में संयंत्र के प्रयासों को भी सशक्त बनाता है। एमआरडी ने रिकॉर्ड स्लैग प्रेषण कर अपशिष्ट को संसाधन में बदलने की बीएसपी की जिम्मेदार, सतत और पर्यावरण-संवेदी संचालन की प्रतिबद्धता को दोहराया है। इस उपलब्धि को एमआरडी ने सामग्री प्रबंधन के विपणन विभाग, सीआईएसएफ तथा अन्य सहयोगी इकाइयों का समन्वित प्रयासों से हासिल किया।

मुख्य महाप्रबंधक प्रभारी (सेवाएँ) तुषार कांत ने कहा कि अतिरिक्त कैनाल गेट के परिचालन में आने से मिल की कार्यप्रणाली में और अधिक सुदृढ़ता सुनिश्चित हुई है। यह उपलब्धि दर्शाती है कि जब विभिन्न इकाइयाँ एक साझा लक्ष्य के लिए सामूहिक प्रयास करती हैं, तो असाधारण परिणाम प्राप्त किए जा सकते हैं। महाप्रबंधक (एमआरडी-प्रचालन) आलोक माथुर और उनकी टीम ने जमीनी स्तर पर आवश्यक सहयोग प्रदान कर इस उपलब्धि को सफलतापूर्वक कार्यान्वित करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। इस उल्लेखनीय सफलता पर मुख्य महाप्रबंधक (एमआरडी) सुशील कुमार ने टीम को बधाई देते हुए कहा कि एमआरडी बिरादरी ने अपनी एकाग्रता, समन्वय और दृढ़ संकल्प के माध्यम से यह सिद्ध कर दिया है कि चुनौतियों को उपलब्धियों में बदलकर नये मिल के पत्थर रचे जा सकते है।

राजहरा माइंस अस्पताल में 16वां एक दिवसीय व्यापक स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के राजहरा माइंस चिकित्सालय में 01 अक्टूबर 2025 को 16वां एक दिवसीय नि:शुल्क व्यापक स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। जहाँ संयंत्र के चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं विभाग के वरिष्ठ चिकित्सकों और विशेषज्ञों ने स्थानीय समुदाय को आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान कीं।

इस पहल का उद्देश्य चिकित्सकीय परामर्श के साथ, स्थानीय समुदाय की चिकित्सा संबंधी विभिन्न आवश्यकताओं को पूरा करने हेतु विशेषज्ञों की एक विस्तृत श्रृंखला को सुनिश्चित करना है। एक दिवसीय शिविर में 620 से अधिक परामर्श प्रदान किए गए, विभिन्न नैदानिक जांच, उपचार के साथ 16 इंट्राआर्टिकुलर इंजेक्शन और 12 प्लास्टर लगाए गए, जिससे स्थानीय समुदाय को महत्वपूर्ण

स्वास्थ्य लाभ प्राप्त हुआ।

इस नि:शुल्क चिकित्सा शिविर हेतु संयंत्र के चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवायें विभाग और जवाहरलाल नेहरु चिकित्सालय एवं अनुसंधान केंद्र की टीम का नेतृत्व मुख्य चिकित्सा अधिकारी (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवायें) डॉ कौशलेन्द्र ठाकुर ने किया।

शिविर के विशेषज्ञ चिकित्सकों एवं सहायक अधिकारियों एवं कार्मिकों में पूर्व मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. प्रमोद बिनायके (मेडिसिन), डॉ. चित्रा सुनोव (नेत्र रोग), डॉ. प्राची मेने (कान, नाक एवं गला रोग), डॉ. इमैनुएल मैसी (अस्थि रोग), डॉ. कौशिक किशोर (पीडियाट्रिक), डॉ. निशा ठाकुर (प्रसूति एवं स्त्री रोग), डॉ. धीरज शर्मा (जनरल सर्जरी), डॉ. शशांक अग्रवाल (त्वचा रोग), डॉ. निलेश चंद्रा (पेन मैनेजमेंट), श्रीमती संध्या शर्मा (कनिष्ठ प्रबंधक), श्रीमती श्वेता शर्मा (फिजियोथेरेपी), श्रीमती सुरजा जयप्रसाद (नर्सिंग स्टाफ), डी.एन.बी. डॉ. सारिपुत्ता (अस्थि रोग), डी.एन.बी. डॉ. सुनील सिसोदिया (मेडिसिन), डी.एन.बी. डॉ. तनया (प्रसूति एवं स्त्री रोग), डी.एन.बी. डॉ. अनुज (नेत्र रोग), डी.एन.बी. डॉ. सौम्या (ईएनटी) तथा श्री कलोल (रेडियोलॉजी तकनीशियन) सहित जवाहरलाल नेहरु चिकित्सालय एवं अनुसन्धान केंद्र, भिलाई के विशेषज्ञ चिकित्सकों ने अपनी सेवाएं प्रदान की। इसके अतिरिक्त राजहरा मेडिकल चिकित्सालय के सीनियर कंसल्टेंट एवं प्रभारी डॉ मनोज डहरवाल तथा राजहरा माइंस अस्पताल की टीम भी उपस्थित थी, जिन्होंने शिविर के सफल आयोजन में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया। मरीजों को विभिन्न बीमारियों और चिकित्सा-स्वास्थ्य समस्याओं के लिए परामर्श, नैदानिक परीक्षण और उपचार प्रदान किए गए। विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम ने पुरे दिन स्थानीय समुदाय को आवश्यक चिकित्सकीय सेवा प्रदान करने का समग्र प्रयास किया। साथ ही स्वास्थ्य सम्बन्धी सत्र भी आयोजित किए गए, जहां मरीजों को विभिन्न निवारक उपायों और जीवन शैली अपनाने के बारे में जानकारी प्रदान की गई।

राजहरा माइंस अस्पताल में सशक्त नारी, स्वस्थ परिवार कार्यक्रम के अंतर्गत एक जागरूकता सत्र भी आयोजित किया गया। इस अवसर पर डॉ. निशा ठाकुर ने परिवार नियोजन के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला, वहीं डॉ. कौशिक किशोर ने रेबीज के रोकथाम के प्रति लोगों को जागरूक करते हुए घावों की उचित देखभाल और समय पर टीकाकरण की अहमियत पर जोर दिया।

Since 1972
CROWN-TV
Choice Of Millions
Washing Machine / Cooler
Available All Size

CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 22
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line

खास खबर...

जयंती पर महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री को किया गया नमन

बलौदाबाजार। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री स्व. लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर गुरुवार को कलेक्टर दीपक सोनी एवं अधिकारियों ने उन्हें नमन किया।कलेक्टोरेट परिसर स्थित महात्मा गांधी की प्रतिमा एवं लाल बहादुर शास्त्री के छायाचित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें सादर नमन किया गया। इसके साथ ही छत्तीसगढ़ महतारी, शहीद वीर नारायण सिंह एवं संविधान निर्माता बाबा साहेब डॉ. बी. आर. अम्बेडकर की प्रतिमा पर श्रद्धासुमन अर्पित कर उन्हें नमन किया गया। इस अवसर पर सीईओ जिला पंचायत दिव्या अग्रवाल, अपर कलेक्टर द्वय दीसी गौते, अवध राम टंडन, एसडीएम प्रकाश कोरी सहित अन्य अधिकारी- कर्मचारी उपस्थित थे।

कृषि यांत्रिकीकरण सबमिशन के तहत 9 अक्टूबर से ऑनलाईन आवेदन

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य बीज एवं कृषि विकास निगम लिमिटेड द्वारा वित्तीय वर्ष 2025-26 में चैम्प्स प्रणाली अंतर्गत क्रियान्वित कृषि यांत्रिकीकरण सबमिशन के तहत अनुदान पर कृषकों को ट्रैक्टर प्रदाय करने हेतु ऑनलाईन आवेदन 9 अक्टूबर से प्रारंभ किया जा रहा है। योजना के तहत कृषकों को अनुदान पर ट्रैक्टर प्रदाय किया जाएगा। इच्छुक कृषक चैम्प्स के पोर्टल http://champs.cgstate.gov.in/ के माध्यम से 9 अक्टूबर से कार्यालयीन समय 10 बजे से आवेदन कर सकते हैं।

10-12वीं की परीक्षाओं के लिए स्वाध्यायी विद्यार्थी 31 तक जमा कर सकते है आनलाइन आवेदन

रायपुर। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल ने चालू शैक्षणिक सत्र की 10-12 वीं की परीक्षाओं के लिए स्वाध्यायी विद्यार्थियों से आवेदन लेना 1 अक्टूबर से शुरु कर दिया है। आवेदन मंडल की वेबसाइट पर आनलाइन ही जमा किया जा सकेगा। आवेदन, सामान्य शुल्क के साथ 31 अक्टूबर तक और विलंब शुल्क के साथ 1-16 नवंबर और विशेष विलंब शुल्क पर 17-30 नवंबर तक जमा किए जा सकते हैं।

रायपुर होगा हाई-टेक निगरानी, 184 अत्याधुनिक कैमरे लगाए जाएंगे

रायपुर। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर अब हाई-टेक निगरानी व्यवस्था से लैस होने जा रही है। अपराध नियंत्रण और यातायात व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए पुलिस प्रशासन शहर में 184 हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट स्कैनिंग कैमरे लगाने की तैयारी कर चुका है। इस योजना के तहत आउटर रिंग रोड और शहर की सीमाओं पर कुल 184 अत्याधुनिक कैमरे स्थापित किए जाएंगे। इन कैमरों की मदद से न केवल ट्रैफिक नियम तोडऩे वालों पर कड़ी नजर रखी जाएगी, बल्कि अपराध नियंत्रण में भी बड़ी मदद मिलेगी।

पुलिस सूत्रों के अनुसार शहर के सबसे व्यस्त और संवेदनशील इलाकों में कैमरों की संख्या अधिक होगी। खासतौर पर टाटीबंध चौक, जहां रोजाना हजारों वाहन गुजरते हैं, वहां सबसे ज्यादा कैमरे लगाए जाएंगे। इसके अलावा आउटर रिंग रोड, मुख्य चौराहों और शहर की एंट्री-एग्जिट प्वाइंट पर भी ये हाईटेक कैमरे लगाए जाएंगे। तेज रफ्तार से वाहन चलाने वाले, लालबत्ती तोडऩे वाले और गलत दिशा में चलने वाले वाहनों पर इन कैमरों की नजर रहेगी। पुलिस का मानना है कि कैमरों की मदद से यातायात व्यवस्था पहले से कहीं ज्यादा सख्त और प्रभावी होगी। जुर्माना वसूली की प्रक्रिया भी डिजिटल होगी जिससे पारदर्शिता बनी रहेगी।

सांसद अग्रवाल व विधायक सोनी ने संस्था द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में किए जा रहे निस्वार्थ प्रयासों को सराहा

श्री प्रयास दशहरा उत्सव समिति: नशा विरोधी संदेश और बच्चों के लिए 20 लाख की सहायता की घोषणा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। श्री प्रयास दशहरा उत्सव समिति द्वारा धूमधाम से दशहरा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में सांसद बृजमोहन अग्रवाल, रायपुर दक्षिण के सम्मानित विधायक सुनील सोनी, भठागांव मंडल अध्यक्ष विजय अग्रवाल, अभिषेक तिवारी, वार्ड पार्षद रमेश सपहा, युवा नेता राज गायकवाड़ और अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। उत्सव के दौरान सांसद बृजमोहन अग्रवाल और विधायक सुनील सोनी ने श्री प्रयास एजुकेशन सोसायटी द्वारा जरूरतमंद बच्चों के जीवन में सुधार लाने और शिक्षा के क्षेत्र में किए जा रहे निस्वार्थ प्रयासों की सराहना की।

इस अवसर पर बच्चों की शिक्षा के लिए भवन और श्री प्रयास मैदान के संरक्षण हेतु प्रत्येक जनप्रतिनिधि ने 10-10 लाख रुपये की सहायता राशि देने की घोषणा की। इस सहयोग के लिए श्री प्रयास परिवार ने विशेष आभार व्यक्त किया। दशहरा उत्सव के मुख्य आकर्षण के रूप में समाज में व्याप्त नशे के

खिलाफ संदेश देने हेतु नशे रूपी रावण का निर्माण किया गया। इस रावण का दहन महिलाओं ने किया। आयोजन में भाग लेने वाली महिलाओं ने अपने मन की पीड़ा व्यक्त करते हुए नशे के खिलाफअपनी आवाज उठाने का संकल्प लिया।

नशा मुक्ति के इस प्रयास को जनता और महिलाओं ने सराहा और आयोजन को भरपूर आशीर्वाद और प्रशंसा दी। उत्सव के दौरान विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित

किए गए, जिसमें बच्चों और युवाओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। आयोजकों ने बताया कि यह कार्यक्रम केवल धार्मिक उत्सव नहीं बल्कि सामाजिक जागरूकता और बच्चों के हित में किए जाने वाले प्रयासों को भी दर्शाता है। श्री प्रयास एजुकेशन सोसायटी का उद्देश्य समाज के कमजोर वर्ग के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना है। संस्था के माध्यम से पुलिस परिवार और अन्य समाजसेवी लगातार समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का प्रयास कर रहे हैं।

इस तरह के आयोजनों से न केवल बच्चों को शिक्षा के अवसर मिलते हैं बल्कि समाज में व्याप्त कुप्रथाओं और नशे जैसी बुराइयों के खिलाफभी जागरूकता फैलती है। इस दशहरा उत्सव ने स्पष्ट संदेश दिया कि शिक्षा और सामाजिक जागरूकता के माध्यम से ही समाज में सकारात्मक बदलाव संभव है। बच्चों, महिलाओं और समाज के अन्य वर्गों ने इस आयोजन की सराहना करते हुए भविष्य में ऐसे आयोजनों को और मजबूत बनाने का संकल्प लिया। उत्सव का यह आयोजन रायपुर में सामाजिक एकता और सहयोग का प्रतीक बनकर उभरा। इसे देखकर यह स्पष्ट हुआ कि धार्मिक और सांस्कृतिक अवसरों का सही उपयोग समाज को नशा मुक्ति और बच्चों के कल्याण जैसी महत्वपूर्ण सामाजिक पहलों से जोड़ सकता है।

प्रभात फेरी, नुक्कड़ नाटक व विभिन्न स्वच्छता गतिविधियों का आयोजन, दपूम रेलवे में स्वच्छता पखवाड़ा का प्रारंभ

महाप्रबंधक तरुण प्रकाश ने बिलासपुर मुख्यालय में दिलाई स्वच्छता की शपथ

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। भारतीय रेल में 1 अक्टूबर से 15 अक्टूबर तक स्वच्छता पखवाड़ा आयोजित किया जा रहा है। इसी कड़ी में 1 अक्टूबर को प्रात: 11 बजे महाप्रबंधक कार्यालय परिसर, बिलासपुर में महाप्रबंधक तरुण प्रकाश ने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को स्वच्छता की शपथ दिलाई गई। इस अवसर पर सभी विभागाध्यक्ष, अधिकारीगण तथा बड़ी संख्या में कर्मचारी उपस्थित रहे।

भारतीय रेलवे के साथ - साथ दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में स्वच्छता पखवाड़ा के अंतर्गत विभिन्न गतिविधियाँ आयोजित की जा रही हैं जिनमें स्वच्छता शपथ एवं जागरूकता, महात्मा गांधी जयंती एवं स्वच्छ भारत दिवस, स्वच्छ स्टेशन, स्वच्छ रेलगाड़ी, स्वच्छ पटरी, स्वच्छ परिसर, स्वच्छ आहार, स्वच्छ नीर, स्वच्छ प्रसाधन, स्वच्छ पर्यावरण, स्वच्छता प्रतियोगिता, सिंगल यूज़ प्लास्टिक को ना, स्वच्छता समीक्षा एवं स्वच्छता जागरूकता रैली शामिल हैं। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य स्वच्छता को जनआंदोलन का स्वरूप

देना है।

स्वच्छता पखवाड़ा के प्रथम दिन प्रात: मंडल रेल प्रबंधक, बिलासपुर राजमल खोईवाल के नेतृत्व में प्रभात फेरी का आयोजन किया गया। यह प्रभात फेरी तितली चौक होते हुए विभिन्न मार्गों से गुजरकर बिलासपुर रेलवे स्टेशन पर समाप्त हुई। प्रभात फेरी में अधिकारीगण, कर्मचारीगण, खेल संघ, सिविल डिफेंस, भारत स्काउट एंड गाइड, सेंट जॉन्स एम्बुलेंस, नागरिक सुरक्षा दल एवं रेलवे स्कूलों के विद्यार्थी उत्साहपूर्वक सम्मिलित हुए। प्रभात फेरी के माध्यम से स्लोगन और पोस्टरों द्वारा यात्रियों तथा आम नागरिकों को स्वच्छता का संदेश दिया गया।

बिलासपुर स्टेशन पर स्वच्छ रेल, स्वच्छ भारत अभियान के तहत नागरिक सुरक्षा दल एवं स्काउट-गाइड के बच्चों द्वारा नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया गया। इस जीवंत प्रस्तुति के माध्यम से यात्रियों और नागरिकों को कचरा डस्टबिन में डालने, सिंगल यूज प्लास्टिक का प्रयोग न करने, स्टेशन एवं गाड़ियों में गंदगी न फैलाने, खुले में शौच से बचने और हर जगह स्वच्छता बनाए रखने का संदेश दिया गया।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के सभी कार्यालयों, प्रमुख स्टेशनों, वर्कशॉप, कोचिंग डिपो एवं गुड्स शेड में भी स्वच्छता शपथ कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यालय प्रमुखों द्वारा कर्मचारियों को स्वच्छता की शपथ दिलाई गई तथा प्रभात फेरियों आदि के माध्यम से नागरिकों और यात्रियों को स्वच्छता हेतु प्रेरित किया गया।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में स्वच्छता पखवाड़ा का शुभारंभ विविध कार्यक्रमों के साथ उत्साहपूर्ण वातावरण में किया गया, जिसमें अधिकारियों, कर्मचारियों, विद्यार्थियों एवं नागरिकों ने सक्रिय भागीदारी निभाते हुए स्वच्छता को जीवन का संकल्प बनाने का संदेश दिया।

गांधी जयंती व सेवा पखवाड़ा के अवसर पर वनमण्डल में विविध कार्यक्रम आयोजित

श्रीकंचनपथ न्यूज

बलौदाबाजार। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती एवं सेवा पखवाड़ा 2025 के अवसर पर बलौदाबाजार वनमण्डल में वन्यप्राणी संरक्षण सप्ताह का शुभारंभ किया गया। विशेष रूप से स्वच्छता दिवस के रूप में मनाते हुए वनमण्डलाधिकारी बलौदाबाजार धम्मशील गणवीर के निर्देशानुसार एवं अधीक्षक बारनवापारा अभ्यारण्य कृषानू चन्द्राकार के नेतृत्व में प्रसिद्ध धार्मिक एवं प्राकृतिक स्थल तुरतुरिया में कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम के अंतर्गत स्थानीय विद्यालयों के बच्चों, वन प्रबंधन समिति तुरतुरिया के सदस्यों तथा बारनवापारा एवं कोठारी परिक्षेत्र के अधिकारियों एवं कर्मचारियों की सहभागिता से पॉलिथीन और अन्य अपशिष्ट का निस्तारण कर साफ-सफाई की गई। इसके साथ ही संगोष्ठी का आयोजन हुआ, जिसमें विद्यार्थियों एवं ग्रामीणों को गांधीजी के स्वच्छता संदेश, पर्यावरण संरक्षण और वन्यजीवों की सुरक्षा के महत्व से अवगत कराया गया।

इसी श्रृंखला में वनमण्डल के विभिन्न क्षेत्रों में भी अनेक गतिविधियाँ संपन्न हुईं। ग्राम सोनाखान में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें वन प्रबंधन समिति अध्यक्ष, स्थानीय ग्रामीणों एवं महिलाओं ने सक्रिय भागीदारी निभाई। इस दौरान आम, अमरूद, अमलतास, अशोक और जामुन के पौधे रोपे गए। वहीं, वनग्राम महकोनी में वन प्रबंधन समिति की बैठक आयोजित की गई, जिसमें प्रशिक्षु वनक्षेत्रपाल मीनाक्षी साहू, ग्राम प्रमुख, समिति सदस्य एवं सुरक्षा श्रमिक उपस्थित रहे। इसके अतिरिक्त थरगांव परिक्षेत्र के अंतर्गत कुशभाटा बैरियर परिसर और आसपास स्वच्छता अभियान चलाया गया, जिसमें प्रशिक्षु वनक्षेत्रपाल रूपेश्वरी दीवान, स्थानीय समिति सदस्य और सुरक्षा श्रमिकों ने श्रमदान किया। बलौदाबाजार वनमण्डल द्वारा सेवा पखवाड़ा, गांधी जयंती और वन्यप्राणी संरक्षण सप्ताह के अंतर्गत आयोजित इन विविध कार्यक्रमों का उद्देश्य न केवल स्वच्छता एवं वृक्षारोपण को बढ़ावा देना है, बल्कि समुदाय को पर्यावरण एवं वन्यजीव संरक्षण की दिशा में जागरूक और सहभागी बनाना भी है।

श्री दूधाधारी मठ व जैतू साव मठ में परंपरागत रूप से मनाया दशहरा पर्व

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। श्री दूधाधारी मठ व श्री जैतू साव मठ में दशहरा उत्सव के अवसर पर परंपरागत रूप से अस्त्र-शस्त्र पूजन का कार्यक्रम संपन्न हुआ। राजेश्री महन्त रामसुन्दर दास महाराज ने सुबह 10 बजे जैतू साव मठ में अपने सहयोगियों सहित अस्त्र-शस्त्र पूजन का कार्यक्रम संपन्न कराया। श्री राम मंदिर एवं हनुमान मंदिर के सामने हवन पूजन के उपरांत भगवान की विधिवत पूजा अर्चना की गई। राजेश्री महन्त जी ने कहा कि -दशहरा महोत्सव के अवसर पर प्रत्येक वर्ष श्री दूधाधारी मठ एवं श्री जैतू साव मठ तथा इससे संबंधित स्थानों में में अस्त्र-शस्त्र पूजन की परंपरा है, इसका निर्वाह हम सभी ने किया है। उन्होंने दशहरा उत्सव के शुभ अवसर पर लोक कल्याण की कामनाएं की। मठ ट्रस्ट कमेटी के सदस्य अजय तिवारी ने दशहरा उत्सव की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आश्विन शुक्ल पक्ष दशमी को जैतू साव मठ में अस्त्र-शस्त्र पूजन का कार्यक्रम संपन्न हुआ है। आज

गांधी जयंती भी है, उन्होंने लोगों को गांधी जी के बताए हुए मार्ग पर चलने का आग्रह किया। इसके पश्चात राजेश्री महन्त द्वारा श्री दूधाधारी मठ में शस्त्र पूजन, अश्व पूजन, वाहन पूजन कार्यक्रम संपन्न करने के उपरांत शिवरीनारायण के लिए रवाना हुए। इस अवसर पर विशेष रूप से पूर्व मंत्री सत्यनारायण शर्मा, दाऊ महेंद्र अग्रवाल, सुरेश शुक्ला, रमेश यदु, चंद्रकांत यदु, जगन्नाथ अग्रवाल, सुमित पुजारी एवं गणमान्य नागरिक गण उपस्थित थे।

अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस पर महासमुंद में वरिष्ठ नागरिकों का सम्मान

श्रीकंचनपथ न्यूज

महासमुंद। अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस के अवसर पर महासमुंद जिले में वरिष्ठ नागरिकों के सम्मान हेतु भव्य कार्यक्रम का आयोजन स्थानीय शंकराचार्य भवन में किया गया। कार्यक्रम में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से बड़ी संख्या में वरिष्ठ महिला एवं पुरुष शामिल हुए। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में सांसद रूपकुमारी चौधरी, विधायक योगेश्वर राजू सिन्हा, बसना विधायक संपत अग्रवाल, जिला पंचायत अध्यक्ष मोगरा पटेल, कलेक्टर विनय लंगेह, जिला पंचायत सीईओ हेमंत नंदनवार, नगर पालिका उपाध्यक्ष देवीचंद् राठी, जनपद उपाध्यक्ष हुलसी चंद्राकर, येतराम साहू, पीयूष साहू, प्रकाश शर्मा, आनंद साहू, पंकज चंद्राकर, शरद मराठा एवं समाज कल्याण विभाग की उपसंचालक संगीता सिंह सहित अनेक जनप्रतिनिधि और अधिकारी उपस्थित रहे।

इस अवसर पर सांसद एवं मुख्य अतिथि रूपकुमारी चौधरी ने कहा कि हम सभी आज जिस मुकाम पर हैं, वह हमारे वरिष्ठजनों की शिक्षा, मार्गदर्शन और आशीर्वाद से ही संभव हुआ है। आपसे हमें क्या सीखना—आप स्वयं समाज के जीवित विश्वविद्यालय हैं। नवरात्रि के पावन अवसर पर मैं

माताराणी से प्रार्थना करती हूँ कि हमारे सभी वरिष्ठजन स्वस्थ एवं दीर्घायु रहें। दादा-दादी और नाना-नानी का प्यार और संस्कार सबसे बड़ा पाठशाला है। आज बच्चे मोबाइल की ओर झुक रहे हैं और अपने बुजुर्गों से दूर हो रहे हैं, जो समाज के लिए हानिकारक है। सरकार आयुष्मान वय-वंदन योजना जैसी योजनाओं के माध्यम से आपके स्वास्थ्य और सुरक्षा की चिंता कर रही है। वरिष्ठजनों की सेवा ही हम सबका असली धर्म है।

समारोह को विधायक योगेश्वर राजू सिन्हा ने कहा कि पूरा विश्व आज संयुक्त राष्ट्र संघ के आह्वान पर वृद्धजन दिवस मना रहा है। यह शासन की महत्वपूर्ण पहल है। राज्य सरकार माता-पिता की सेवा और देखभाल को प्रोत्साहित करने के लिए प्रतिमाह 500 रुपए की पेंशन उपलब्ध करा रही है। समाज कल्याण विभाग द्वारा सहायक उपकरण भी उपलब्ध कराए जा रहे हैं। बच्चों को चाहिए कि वे अंतिम सांस तक अपने माता-पिता को अपने साथ रखें। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बसना विधायक संपत अग्रवाल ने कहा कि बच्चे संस्कारित हों और माता-पिता की सेवा करें। हर पुत्र श्रवण कुमार बने ताकि किसी भी वृद्ध को वृद्धाश्रम न जाना पड़े। हमारी सरकार वरिष्ठजनों के लिए तीर्थयात्रा योजना चला रही है और उन्हें धर्म धाम की यात्रा करवा रही है। यह सरकार सच्चे मायनों में श्रवण कुमार की तरह सेवा कर रही है। वरिष्ठजनों को कानूनी न्याय सुलभ है और उनके अच्छे स्वास्थ्य के लिए निरंतर कार्य किया जा रहा है।

कलेक्टर विनय लंगेह ने कहा कि वरिष्ठजन हमारे समाज की धरोहर हैं और प्रशासन उनकी पेंशन, स्वास्थ्य, कानूनी सहायता और अन्य योजनाओं को और अधिक सशक्त बनाने हेतु कटिबद्ध है। जिला पंचायत अध्यक्ष मोगरा पटेल एवं सीईओ हेमंत नंदनवार ने भी वरिष्ठजनों को समाज की प्रेरणा बताते हुए उनके सम्मान और सहयोग का संकल्प लिया। इस अवसर पर समाज कल्याण विभाग द्वारा आयोजित वृद्धजन सम्मान समारोह में जिले के 300 वरिष्ठजनों को छड़ी, 100 वरिष्ठजनों को श्रवण यंत्र, व्हील चेयर, ट्राई सायकल,साड़ी, धोती, निशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण, नेत्र परीक्षण एवं चश्मा वितरण किया गया। कार्यक्रम में वरिष्ठजनों का माल्यार्पण कर उनका अभिनंदन किया गया।

सुहिणी सोच का करवा चौथ उत्सव 10 को

रायपुर। सुहिणी सोच हमेशा की तरह इस वर्ष भी 10 अक्टूबर को करवा चौथ उत्सव अग्रसेन धाम के पास स्थित चोकरधानी में मनाने जा रहा है जहां मुंबई के म्युजिकल तंबोला आर्टिस्ट मीतकलाकार राहुल इंगले अपनी प्रस्तुति देंगे। इसके अलावा बेस्ट ड्रेस उप, बेस्ट जोड़ी, बेस्ट मेकअप, सेल्फी कोन्टेस कपल्स, फोटो शूट, करवा चौथ स्पेशल पूजा एवं संस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। यह शाम 4 बजे से आरंभ होगा। कार्यक्रम में विशेष रुप से नगर निगम रायपुर की महापौर मीनल चौबे उपस्थित रहेंगी। संस्था की फाउंडर मनीषा तारवानी, अध्यक्ष दीक्षा बुधवानी व सचिव पूनम बजाज, मीडिया प्रभारी आरती मयानी एवं कविता नारा ने जानकारी देते हुए बताया कि इस कार्यक्रम के निर्देशक मुस्कान लालवानी, ईशानी तोलानी, लक्ष्मी बजाज, हेमा जेठवानी, सिया जसवानी हैं जिनसे संपर्क कर एंट्री पास लिया जा सकता है।

GST NO. 22AHMPB9621P1Z2
PH.: 0788-4060131

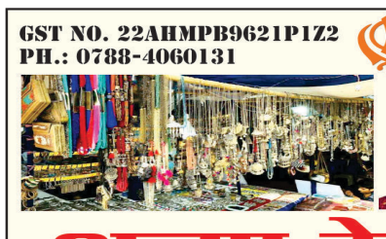

अनुप ट्रेडर्स
आर्टिफिशियल ज्वेलरी के विक्रेता
लिंक रोड, केम्प-2, पावर हाउस, भिलाई
मो. 09826389666, 8839749539

धनश्री की बढ़ने वाली हैं मुश्किलें, अरबाज पटेल की गर्लफ्रेंड निक्की तंबोली ले रही है शो में एंट्री

अमेजन प्राइम वीडियो का नया रियलिटी शो 'राइज एंड फॉल' लगातार चर्चाओं में बना हुआ है। इस शो में अर्जुन बिजलानी, किकू शारदा, अरबाज पटेल, आदित्य नारायण, धनश्री वर्मा जैसे कई मशहूर चेहरे हिस्सा ले रहे हैं। कंटेस्टेंट्स के बीच रोज झगड़े, गेम की रणनीतियां और इमोशनल ड्रामा देखने को मिलता है। हर कोई जीत के लिए पूरी ताकत झोंक रहा है। होस्ट अशनीर ग्रोवर कंटेस्टेंट्स को सख्ती से समझाते नजर आते हैं, जो शो को और रोचक बना देता है। इन सबके बीच अब एक नई खबर ने हलचल मचा दी है,बिग बॉस फेम एक्ट्रेस निक्की तंबोली शो में वाइल्ड कार्ड एंट्री लेने वाली हैं।

एक रिपोर्ट के मुताबिक, निक्की जल्द ही 'राइज एंड फॉल' का हिस्सा बनेंगी। यह अफवाहें अब सच साबित हो रही हैं। मेकर्स का मकसद साफ है, शो में धनश्री वर्मा और अरबाज पटेल की नजदीकी को लेकर उठे सवालों के बीच ड्रामा बढ़ाना। जैसा कि सब जानते हैं, रियल लाइफमें अरबाज और निक्की एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं। दोनों बिग बॉस मराठी 5 से मिले थे और उसके बाद से सोशल मीडिया पर अपनी रोमांटिक फोटोज शेयर करते रहते हैं। निक्की की एंट्री से धनश्री-अरबाज की जोड़ी पर असर पड़ सकता है। दर्शक पहले ही अरबाज की धनश्री के प्रति 'पजेसिव' अटिट्यूड पर सवाल उठा चुके हैं, खासकर जब अरबाज ने धनश्री को सलाह दी थी कि वे दूसरे पुरुष कंटेस्टेंट्स से गले न लगें, बल्कि साइड हग करें।

जब धनश्री पेंटहाउस से बेसमेंट में गईं, तो उन्होंने अरबाज को गले लगाकर खूब रोया था। अरबाज का यह बर्ताव देखकर निक्की ने सोशल मीडिया पर क्रिप्टिक पोस्ट भी शेयर किया, जिसमें उन्होंने 'गद्दारी' पर इशारा किया। निक्की ने अरबाज का हमेशा सपोर्ट किया है, लेकिन अब उनकी एंट्री से शो का खेल उलट-पुलट हो सकता है।

हाल ही में शो में मनीषा रानी की एंट्री हुई, जिन्होंने आरुष भोला को 'राइज' और धनश्री को 'फॉल' कर दिया। इससे गेम का पूरा समीकरण बदल गया। निक्की की आने वाली एंट्री से कंटेस्टेंट्स की पर्सनल लाइफ और प्रोफेशनल स्ट्रैटजी पर नया ट्विस्ट आ सकता है। दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं कि यह ड्रामा कैसे आगे बढ़ेगा।

'डेटिंग डेज में क्या-क्या सपने दिखाते हैं लड़के', परिणीति ने अपने चैट शो में राघव चड्ढा के सामने दागे खूब सवाल

परिणीति चोपड़ा ने अपने फेक चैट शो पर राघव चड्ढा को इन्वाइट किया। इस चैट शो का वीडियो परिणीति ने इंस्टाग्राम पर भी पोस्ट किया है। इस वीडियो में वो पति के सामने ढेर सारे सवाल दागती दिख रही हैं, जिसका जवाब देने की कोशिश करते नजरआ रहे हैं उनके हसबैंड

परिणीति चोपड़ा ने हसबैंड राघव चड्ढा से की बात

परिणीति चोपड़ा और राघव चड्ढा की जोड़ी बॉलीवुड की बेहद खूबसूरत और 'मेड फॉर इच अदर' वाली जोड़ियों में से एक है। हाल ही में दोनों की शादी को दो साल पूरे हुए। परिणीति और राघव जल्द ही पैरेंट्स बनने वाले हैं। परिणीति ने अब एक वीडियो शेयर किया है जिसमें वो अपने टॉक शो में हसबैंड राघव चड्ढा का स्वागत करती नजर आ रही हैं। परिणीति ने उनसे ऐसे-ऐसे सवाल पूछे जिसका जवाब उनके लिए मुश्किल पड़ गया। परिणीति ने इस वीडियो को शेयर करते हुए लिखा है, 'मेरे गुमनाम पॉडकास्ट यानी फेक टॉक शो में आपका स्वागत है, जहां आज के खास मेहमान कोई और नहीं, मेरे पति, राघव चड्ढा हैं! क्या मुझे इसे रोजाना करना चाहिए? और सच में बताइए - क्या सर राघव ही सबसे बेस्ट नहीं हैं?'

राघव बोले- आप अपने सवाल दागना शुरू करिए

एक्ट्रेस इस वीडियो में कहती नजर आती हैं कि उनके 'फेक टॉक शो' में राघव चड्ढा का स्वागत है। वो कहती हैं, 'आज मैं काफी फॉर्मल सेटिंग में बैठी हूं क्योंकि आज हमारे पास बहुत ही इम्पॉर्टेंट गेस्ट हैं हमारे फेक टॉक शो पर, मिस्टर राघव चड्ढा।' इसपर राघव परिणीति बोलीं- डेटिंग डेज में क्या-क्या सपने दिखाते हैं लड़के

परिणीति पूछती हैं- तुमने चाय कब बनाई हमारे लिए? इसपर राघव कहते हैं- आप आम खाइए, गुठलियां क्यों गिनती हैं? राघव कहते हैं- कितनी बार बनाई है। परिणिती ने फिर कहा- डेटिंग डेज में क्या-क्या सपने दिखाते हैं लड़के और फिर शादी के बाद चेंज हो जाते हैं। इसपर राघव मजाक में कहते गहैं- नेताओं के वादे तो। परिणीति फिर पूछती हैं- घर में हल्दी कहां रखी हुई है, जरा ये बताना मुझे। राघव के पास इसका जवाब नहीं है। परिणीति ने फिर पूछा- एक काम करना, जब तुम बड़े हो जाओगे तो तुम पॉलिटिशियन बनना। इसपर राघव ने कहा- बहुत लोग कहते हैं।

जल्द बनने वाले हैं पैरेंट

बता दें कि हाल ही में 24 सितंबर को अपनी शादी की दूसरी सालगिरह मनाने के लिए परिणीति चोपड़ा और राघव चड्ढा पेरिस पहुंचे थे। उदयपुर में दोस्तों और करीबियों की मौजूदगी में दोनों ने धूमधाम से शादी रचाई थी। पिछले दिनों 25 अगस्त को परिणीति ने अपनी प्रेग्नेंसी की खबर सोशल मीडिया पर फैंस के साथ शेयर की थी। इस पोस्ट में एक फोटो पर एक केक था जिसपर 1 + 1 = 3 लिखा हुआ था। वहीं एक वीडियो भी था जिसमें परिणीति और राघव एक दूसरे के हाथों में हाथ डालकर पार्क में घूमते दिख रहे थे।

रश्मिका मंदाना और विजय देवरकोंडा ने की गुपचुप सगाई, शादी की तारीख भी आई सामने?

रश्मिका मंदाना और विजय देवरकोंडा ग्लैमर वर्ल्ड के सबसे चर्चित स्टार कपल्स में से एक हैं। यूं तो दोनों ने कभी भी अपने रिलेशनशिप को ऑफिशियल नहीं किया है, लेकिन उनका प्यार लाख छुपाए नहीं छुपता है। दोनों कभी साथ में किसी फंक्शन को अटेंड करते हुए स्पॉट होते हैं तो कभी वेकेशन पर। कई बार तो रश्मिका को विजय के टी-शर्ट और कैप पहने हुए भी देखा गया है।

खैर, रश्मिका मंदाना और विजय देवरकोंडा ने लाख डेटिंग रूमर्स के बावजूद कभी भी अपने रिश्ते को पब्लिकली एक्सेप्ट नहीं किया है, लेकिन उनके चाहने वाले हमेशा से उन्हें शादी के बंधन में बंधता देखने के लिए बेताब थे। अब आखिरकार वो घड़ी भी आ गई है। जी हां, रश्मिका और विजय जल्द ही शादी के बंधन में बंध सकते हैं।

ऐसा हम नहीं, बल्कि फिल्मी गलियारों में चल रही अफवाह कह रही है। एम-9 की रिपोर्ट के मुताबिक, रश्मिका मंदाना और विजय देवरकोंडा ने गुपचुप तरीके से सगाई कर ली है। कपल ने बिना किसी शोर शराबे के करीबी दोस्त और परिवार की मौजूदगी में एक प्राइवेट सेरेमनी होस्ट की और एक-दूसरे के साथ जिंदगी भर साथ निभाने का वादा करते हुए सगाई की अंगूठी पहनाई।

इतना ही नहीं, रश्मिका और विजय की शादी की तारीफ भी तय हो गई है। दोनों पांच महीने बाद यानी अगले साल फरवरी में पारंपरिक रीति-रिवाज से शादी के बंधन में बंधेंगे। सोशल मीडिया पर फैंस कपल को उनकी गुपचुप सगाई के लिए बधाइयां दे रहे हैं। हालांकि, कपल की तरफ से अभी तक इसकी आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। ऐसे में दैनिक जागरण इसकी पुष्टि नहीं करता है।

रश्मिका मंदाना और विजय देवरकोंडा की शुरुआत फिल्म के सेट से शुरू हुई है। दोनों ने पहली बार साल 2018 में फिल्म गीता गोविंदम में काम किया था और इसमें उनकी केमिस्ट्री को खूब सराहा गया था। इसके बाद 2019 में उन्होंने डियर कोमरेड में काम किया। दोनों फिल्मों के बाद से ही रश्मिका और विजय के डेटिंग की अफवाह उड़ना शुरू हो गई थीं।

मॉडलिंग के बाद फिल्मों में आईं, अब बिग बॉस का होंगी हिस्सा! आखिर कौन हैं दीपक चाहर की बहन मालती?

अभिनेत्री, लेखिका और निर्देशक मालती चाहर इन दिनों सुर्खियों में हैं। खबरें हैं कि वह जल्द ही सलमान खान के रियलिटी शो बिग बॉस 19 में वाइल्डकार्ड कंटेस्टेंट के तौर पर एंट्री ले सकती हैं। हर साल, यह शो अलग-अलग क्षेत्रों की मशहूर हस्तियों को एक साथ लाता है। इस सीजन में भी ऐसा ही हुआ है। अगर खबरें सही हैं तो मुम्किन है मालती शो की अगली कंटेस्टेंट हों। मालती चाहर के शो में आने से पहले ही वह काफी चर्चा में हैं। फैंस उनकी जिंदगी और करियर के बारे में जानने के लिए उत्सुक हैं। बिग बॉस के घर में कदम रखने से पहले आइए उनके बारे में कुछ अहम बातें जान लेते हैं।

परिवार का खेल से है नाता

मालती न केवल एक अभिनेत्री हैं, बल्कि एक मॉडल, कंटेंट क्रिएटर और फिल्म निर्माता भी हैं। वह भारतीय क्रिकेटर दीपक चाहर की बहन हैं। उनके परिवार का क्रिकेट से भी गहरा नाता है। उनके चचेरे भाई राहुल चाहर भी भारत के लिए खेलते हैं। मालती का जन्म 15 नवंबर, 1990 को आगरा, उत्तर प्रदेश में हुआ था और वह एक खेल-प्रेमी परिवार में पली-बढ़ीं।

सौंदर्य प्रतियोगिताओं में लिया हिस्सा

मालती को पहली बार पहचान तब मिली जब उन्होंने सौंदर्य प्रतियोगिताओं में हिस्सा लिया। मालती फेमिना मिस इंडिया 2014 की फाइनलिस्ट थीं और उन्होंने फेमिना मिस इंडिया दिल्ली 2014 में मिस फोटोजेनिक का खिताब भी जीता। इसने मनोरंजन उद्योग में उनके करियर के लिए दरवाजे खोल दिए।

इन फिल्मों में किया काम

बाद में मालती ने अभिनय की ओर रुख किया और 2018 में अनिल शर्मा द्वारा निर्देशित बॉलीवुड फिल्म 'जीनियस' से अपने फिल्मी करियर की शुरुआत की। साल 2022 में, उन्होंने अरविंद पांडे द्वारा निर्देशित रोमांटिक ड्रामा 'इश्क पश्मीना' में अभिनय किया। अभिनय के अलावा, मालती ने फिल्म निर्माण में भी रुचि दिखाई है। उन्होंने लघु फिल्मों का निर्देशन और निर्माण किया है।

मालती चाहर सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव हैं। यहां वह अक्सर अपने पेशेवर जीवन और निजी पलों के बारे में पोस्ट करती हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर उनके 1 मिलियन से ज्यादा फॉलोअर्स हैं। मालती ने अभी तक बिग बॉस 19 में अपनी एंट्री के बारे में कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है।

कैटरीना कैफ की वायरल हो रही फोटो, बेबी बंप फ्लॉन्ट करते दिखीं एक्ट्रेस

बॉलीवुड की खूबसूरत अदाकारा कैटरीना कैफ इन दिनों अपनी प्रेग्नेंसी को लेकर चर्चा में हैं। अब एक्ट्रेस की कुछ तस्वीरें सामने आई हैं, जिनमें वह बेबी बंप फ्लॉन्ट करती नजर आ रही हैं। जैसे ही यह तस्वीर सामने आई, फैन्स और इंडस्ट्री से जुड़े लोग कैटरीना को बधाई देने लगे।

कैटरीना कैफ ने हमेशा अपनी पर्सनल लाइफ को प्राइवेट रखा है। विक्की कौशल से शादी के बाद भी उन्होंने अपनी शादीशुदा जिंदगी के बारे में बहुत कम बातें की हैं। लेकिन हाल ही में उनकी उन्होंने अपनी प्रेग्नेंसी एनाउंस की थी। जिसके बाद एक फोटो ने उनके फैंस को चौंका दिया। तस्वीर में कैटरीना सिंपल ड्रेस में बेहद खूबसूरत लग रही हैं और साफ नजर आ रहा है कि वह प्रेग्नेंसी के इस खास फेज को एंजॉय कर रही हैं।

अब कैटरीना कैफ की कुछ और फोटो वायरल हो रही हैं। लेकिन ये कैटरीना ने अपने पेज से शेयर नहीं की है, बल्कि उनके फैन पेज ने इसे शेयर किया है। इस पर उनके फैंस तरह-तरह की प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं। किसी ने उन्हें गॉर्जियस मॉम-टू-बी कहा, तो किसी ने लिखा कि कैटरीना और विक्की की जोड़ी अब पूरी हो गई है। कई फैंस तो इन फोटोज को देखकर काफी हैरान हैं।

गौरतलब है कि कैटरीना और विक्की कौशल की शादी दिसंबर 2021 में राजस्थान के सिक्स सेंसेस फोर्ट बड़वारा में हुई थी। शादी के बाद दोनों कई बार साथ में इवेंट्स और वेकेशन पर नजर आए, लेकिन अपनी पर्सनल लाइफ को दोनों ने हमेशा मीडिया की नजरों से दूर रखने की कोशिश की। शायद यही वजह है कि कैटरीना का बेबी बंप वाली यह तस्वीर फैंस के लिए किसी सरप्राइज से कम नहीं है। इन फोटोज में कैटरीना को देख लग रहा है कि ये AI जेनरेटेड फोटोज है। क्योंकि ये उनके फैन पेज से शेयर की गई है, तो कुछ कहा नहीं जा सकता कि इन तस्वीरों का सच क्या है। बता दें कि कैटरीना के फैंस ने इस तस्वीरों पर रिएक्ट किया है। कुछ लोग इन खुलकर तारीफ कर रहे हैं तो कुछ इन्हें फेक बता रहे हैं। सोशल मीडिया पर कुछ यूजर्स ने कैटरीना की तारीफ करते हुए कहा कि उनकी तस्वीरें इस बात का सबूत हैं कि मां बनने का सफर बेहद खूबसूरत होता है। इस फोटो ने न सिर्फ उनके फैंस बल्कि आम लोगों का भी दिल जीत लिया है।

प्याज काटते समय आंखों में होती है जलन? इन तरीकों से करें दूर

प्याज काटते समय आंखों में जलन होना एक आम समस्या है। यह उन लोगों के लिए और भी ज्यादा परेशान कर सकती है, जो रोजाना खाना बनाते हैं। हालांकि, कुछ सरल और प्रभावी तरीके अपनाकर आप इस समस्या से बच सकते हैं। इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे उपाय बताएंगे, जिनसे आप बिना किसी परेशानी के प्याज काट सकते हैं और आपकी आंखें सुरक्षित रहेंगी। इन तरीकों को अपनाकर आप रसोई के अनुभव को बेहतर बना सकते हैं।

पानी में काटें

प्याज काटते समय पानी चलाए रखना एक आसान और कारगर तरीका है। प्याज को पानी में काटें। इससे प्याज से निकलने वाली गैस कम हो जाती है, जो आंखों में जलन का कारण बनती है। इससे आपकी आंखें सुरक्षित रहती हैं और आपको जलन महसूस नहीं होती है। यह तरीका खासकर तब फायदेमंद होता है, जब आपको ज्यादा मात्रा में प्याज काटनी हो।

चाकू का उपयोग सही रखें

प्याज काटते समय चाकू का सही उपयोग करना बहुत जरूरी है। तेज चाकू से प्याज काटने पर कम दबाव पड़ता है, जिससे गैस कम निकलती है और आंखों में जलन नहीं होती है। इसके अलावा तेज चाकू से काटते समय प्याज की परतें भी साफ निकलती हैं, जिससे आपका काम जल्दी हो जाता है। ध्यान रखें कि चाकू हमेशा धारदार होना चाहिए ताकि आपको किसी भी तरह की परेशानी न हो और आप आसानी से प्याज काट सकें।

ठंडे पानी में रखें

प्याज को ठंडे पानी में कुछ मिनट के लिए रखें या फ्रिज में रख दें। इससे जब आप उसे काटेंगे तो गैस कम निकलेगी और आपकी आंखों में जलन नहीं होगी। यह तरीका खासकर तब काम आता है, जब आपको बड़ी मात्रा में प्याज काटनी हो। इसके अलावा ठंडा पानी प्याज की परतों को ढीला कर देता है, जिससे उन्हें हटाना आसान हो जाता है और आपका काम जल्दी हो जाता है।

पंखे का उपयोग करें

प्याज काटते समय पंखे का उपयोग करना भी फायदेमंद हो सकता है। पंखे की हवा गैस को दूर करती है, जिससे आपकी आंखों में जलन कम होती है। अगर आपके पास बिजली का पंखा न हो तो खिड़की या दरवाजे के पास खड़े होकर भी आप इसे कर सकते हैं। इन सरल तरीकों को अपनाकर आप आसानी से प्याज काट सकते हैं। इन तरीकों से आपका काम भी जल्दी होगा और रसोई का अनुभव भी बेहतर रहेगा।

छत्तीसगढ़ की दीदियां बनीं आत्मनिर्भरता की ब्रांड एंबेसडर, लखपति दीदियों की सफलता हजारों महिलाओं के लिए बनेगी प्रेरणा : मुख्यमंत्री

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लखपति दीदी बनाने के संकल्प से महिलाएं बनी आत्मनिर्भर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। महिलाएं आज जीवन के हर क्षेत्र में सफलता के नए आयाम गढ़ रही हैं। तकनीक ने पूरी दुनिया के उत्पादों को फिंगरटिप्स पर ला दिया है और अब डिजिटल माध्यम से वैश्विक बाजार तक पहुँचना संभव हो गया है। इसी उद्देश्य से बिहान की दीदियों को डिजिटल प्रशिक्षण दिया जा रहा है ताकि छत्तीसगढ़ के उत्पाद देश और दुनिया के बाजारों तक पहुँच सकें। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने राजधानी रायपुर के शहीद स्मारक भवन में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग तथा पॉलिसी वॉच द्वारा आयोजित बिहान दीदियों के प्रशिक्षण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह बात कही।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि नवरात्रि का पर्व हमारी संस्कृति में नारी शक्ति के सम्मान और पूजन का प्रतीक है। जहां नारी का सम्मान होता है, वहीं देवताओं का वास माना जाता है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की महिलाएं इतिहास रच रही हैं। बिहान की बहनों की कामयाबी हमें गर्व से भर देती है। छत्तीसगढ़ की दीदियां अब आत्मनिर्भरता की ब्रांड एम्बेसडर बन रही हैं। लखपति दीदियां सपनों को नए पंख दे रही हैं और आज उन्हें डिजिटली सक्षम बनाकर उनके उत्पादों को वैश्विक बाजार से जोड़ने का कार्य किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि यदि हम संकल्प लेकर आगे बढ़ें तो सफलता निश्चित है। केंद्र और राज्य सरकार मिलकर महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रही हैं। वर्ष 2027 तक देशभर में 3 करोड़ और छत्तीसगढ़ में 8 लाख महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। उन्होंने बताया कि जशपुर जैसे जिलों में महुआ आधारित उत्पाद तैयार हो रहे हैं, जिन्हें 'जशप्योर' ब्रांड के रूप में राष्ट्रीय पहचान मिली है। कोरोना काल में महुआ से सैनिटाइज़र बनाकर महिलाओं ने अपनी क्षमता और नवाचार का परिचय दिया था।

मुख्यमंत्री श्री साय ने आगे कहा कि महतारी वंदन योजना से महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने में मदद मिली है। आत्मनिर्भरता का मार्ग संकल्प और प्रयास से ही संभव है। महिला स्व-सहायता समूहों के नवाचार और परिश्रम से प्रदेश की अर्थव्यवस्था को नई दिशा मिल रही है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि सरकार महिलाओं को और अधिक सशक्त बनाने के लिए हरसंभव सहयोग करेगी।

उल्लेखनीय है कि पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग और पॉलिसी वॉच के संयुक्त तत्वाधान में बिहान की दीदियों के लिए विशेष कार्यशाला आयोजित की गई है। इसके अंतर्गत स्व-सहायता समूह की महिलाएं अपने उत्पादों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्लेटफ़ॉर्म पर बेच सकेंगी। उन्हें प्रोडक्ट की ब्रांडिंग, कास्टिंग और पैकेजिंग जैसी बारीकियों का प्रशिक्षण भी दिया जाएगा। कार्यक्रम में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की प्रमुख सचिव निहारिका बारीक सिंह तथा फ्लिपकार्ट के मुख्य कॉरपोरेट अधिकारी रजनीश कुमार सहित अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

महिलाओं ने साझा किया लखपति बनने का शानदार सफर

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने लखपति दीदी बनने की प्रेरक कहानियाँ सुनीं। बलरामपुर जिले के तारकेश्वरपुर की श्रीमती पूनम गुप्ता ने बताया कि सरस्वती महिला स्व-सहायता समूह से जुड़ने के बाद उनके जीवन में बड़ा बदलाव आया। प्रशासन के सहयोग से किराना दुकान खोली, आटा चक्की स्थापित की और अब पिकअप व ट्रैक्टर खरीदकर व्यवसाय को विस्तार दिया है। गरियाबंद की श्रीमती हेमिन साहू ने बताया कि एक समय सब्जी खरीदने तक में कठिनाई होती थी। बिहान से लोन लेकर आचार-पापड़ का व्यवसाय शुरू किया, जो अब राजिम में दुकान तक पहुँच चुका है। आज उन्हें प्रतिदिन लगभग 4 हजार रुपए की आय हो रही है। हाल ही दिल्ली के सरस मेले में उन्होंने 2 लाख 31 हजार रुपए की बिक्री की। गीता वैष्णव ने भावुक होकर कहा कि पहले उन्हें 10 रुपए के लिए हाथ फैलाना पड़ता था। लेकिन बिहान के माध्यम से मां वैभवलक्ष्मी स्व-सहायता समूह से जुड़कर उन्होंने आचार-पापड़ व्यवसाय शुरू किया। अब वे अपनी कमाई से बेटे को सॉफ्टवेयर इंजीनियर बनाने का सपना पूरा कर रही हैं। रायपुर की गीता वर्मा ने बताया कि वैभव स्व-सहायता समूह से जुड़कर हल्दी-मसाले का व्यवसाय शुरू किया और आज हर महीने 15 से 20 हजार रुपए की आय अर्जित कर रही हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जी के लखपति दीदी बनाने के संकल्प ने उनकी और लाखों बहनों की जिंदगी बदल दी है।

मुख्यमंत्री ने बिहान दीदियों के स्टॉलों का किया निरीक्षण

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने शहीद स्मारक भवन परिसर में पॉलिसी वॉच इंडिया फाउंडेशन द्वारा लगाए गए बिहान दीदियों के स्टॉलों का अवलोकन किया। उन्होंने विभिन्न स्व-सहायता समूहों की महिलाओं से चर्चा कर उनके उत्पादों और आजीविका गतिविधियों की जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने भारत माता संकुल, डोंगरगांव की महिलाओं से साहीवाल और गिर गाय के A2 मिल्क से निर्मित घी की खरीदारी की। समूह की श्रीमती दिनेश्वरी साहू ने बताया कि उनके पास 25 से 30 गाएं हैं, जिनसे डेयरी उत्पाद तैयार कर महिलाएं अच्छी आय कमा रही हैं। जालाग्राम संगठन, सेरीखेड़ी की खिलेश्वरी मधुकर ने बताया कि उनके समूह की महिलाएं फिनायल, धूपबत्ती, मोमबत्ती, कुकीज़ और ग्लिसरीन सोप बनाकर आत्मनिर्भर बन रही हैं। वहीं जय माँ भवानी स्व-सहायता समूह, मुंदगांव (डोंगरगढ़) की श्रीमती लक्ष्मी गंधर्व ने मुख्यमंत्री को अगरवुड का पौधा भेंट किया और बताया कि अगरवुड से बनने वाले तेल की कीमत लाखों रुपए होती है। इसका उपयोग अगरबत्ती, परफ्यूम और एसेंशियल ऑयल निर्माण में किया जाता है।

गुरु घासीदास बाबा के आदर्शों पर चलकर बनाएंगे विकसित छत्तीसगढ़

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय रायपुर जिले के आरंग तहसील अंतर्गत भंडारपुरी धाम में आयोजित गुरु दर्शन एवं संत समागम मेला में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने 162 करोड़ रुपए से अधिक की लागत वाले 16 विकास कार्यों का भूमिपूजन किया, जिनमें नवीन सड़क निर्माण, चौड़ीकरण और मजबूतीकरण के कार्य शामिल हैं।

मुख्यमंत्री साय ने मेला स्थल पर डोम निर्माण, तेलासी-भंडारपुरी मार्ग में स्ट्रीट लाइट लगवाने तथा कुटेसर प्राथमिक विद्यालय को माध्यमिक विद्यालय में उन्नयन किए जाने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि यदि समाज से पाँच युवा पायलट बनना चाहें तो उनका पूरा खर्च सरकार वहन करेगी और उन्हें पायलट बनाया जाएगा।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सर्वप्रथम गुरु गद्दी का दर्शन कर प्रदेश की जनता की खुशहाली के लिए आशीर्वाद लिया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि बाबा गुरु घासीदास के आदर्शों पर चलकर हमें विकसित छत्तीसगढ़ का निर्माण करना है। उनके आदर्शों में मानवता और समानता की सीख निहित है। गुरु बाबा ने समाज को एकजुट होने का संदेश दिया, जिसके परिणामस्वरूप सतनामी समाज आज प्रगति और सौहार्द की दिशा में अग्रसर है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मेरा सौभाग्य है कि पिछले वर्ष भी मुझे मुख्यमंत्री के रूप में इस मेले में शामिल होने का अवसर मिला। लेकिन इस वर्ष और पिछले वर्ष में बड़ा अंतर आया है। पिछले वर्ष जब मैं यहां आया था तब आपके समाज के गुरु खुशवंत साहेब विधायक थे, अब वे मंत्री बने हैं। उन्हें अनुसूचित जाति और जनजाति के विकास तथा युवाओं को कौशल प्रशिक्षण देकर रोजगार से जोड़ने की बड़ी जिम्मेदारी मिली है। आपके समाज के गौरव से हमें अपार उम्मीदें हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के हर क्षेत्र का विकास तेजी से हो रहा है। देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने छत्तीसगढ़ की तीन करोड़ जनता से जो भी वादे किए थे, उन्हें हम 'मोदी की गारंटी' के रूप में पूरा कर रहे हैं। अब तक नौ हजार से अधिक सरकारी भर्तियाँ पूरी हो चुकी हैं और हाल ही में शिक्षा विभाग में पाँच हजार पदों की भर्ती प्रक्रिया शुरू हुई है।

उन्होंने कहा कि शासन के प्रत्येक कार्य में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से सुशासन एवं अभिसरण विभाग का गठन किया गया है। ऐसा करने वाला छत्तीसगढ़ देश का पहला राज्य है। हमारी सरकार भ्रष्टाचार मुक्त शासन के लिए संकल्पित है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भ्रष्टाचार करने वाला चाहे कितना भी बड़ा व्यक्ति क्यों न हो, उसे बख्शा नहीं जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि डॉ. रमन सिंह के कार्यकाल में अनुसूचित जाति समाज के विकास हेतु प्राधिकरण का गठन किया गया था। वर्तमान सरकार ने उसके बजट को 50 करोड़ से बढ़ाकर 75 करोड़ कर दिया है।

धर्मगुरु गुरु श्री बालदास साहेब ने कहा कि यह मेला सामाजिक सौहार्द और एकजुटता का प्रतीक है। उन्होंने समाज के गुरु खुशवंत साहेब को कैबिनेट मंत्री बनाने के लिए मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय का आभार व्यक्त किया और कहा कि सतनामी समाज ही नहीं बल्कि पूरा प्रदेश आज विकास की राह पर अग्रसर है।

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने कहा कि कुतुब मीनार से भी ऊँचा जैतखाम छत्तीसगढ़ के गिरौदपुरी में है। यह किसी व्यक्ति की उपलब्धि नहीं बल्कि गुरु बाबा घासीदास की प्रेरणा का परिणाम है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने गरीबों के उत्थान और प्रदेश को आगे बढ़ाने का जो संकल्प लिया है, वह साकार हो रहा है। किसानों, महिलाओं, युवाओं और मजदूरों के हित में योजनाएँ बन रही हैं।

उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने कहा कि आज 162 करोड़ रुपए से अधिक की लागत वाले 16 विकास कार्यों का भूमिपूजन हुआ है, जो आरंग विधानसभा के विकास की दिशा में ऐतिहासिक कदम है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ महतारी की गोद में अनेक संत-महात्मा और तपस्वी जन्मे हैं। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में 'हमने बनाया है, हम ही संवारेंगे' का संकल्प लेकर सरकार आगे बढ़ रही है। प्रदेश की सड़कों के विकास के लिए 700 से अधिक टेंडर जारी किए गए हैं और बरसात के बाद प्रदेश की सड़कें नए स्वरूप में नजर आएँगी।

राजनांदगांव व डोंगरगढ़ में पर्यटक सूचना केन्द्र प्रारंभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड द्वारा राजनांदगांव और डोंगरगढ़ में प्रारंभ किए जा रहे पर्यटक सूचना केन्द्रों का संयुक्त रूप से लोकार्पण किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता लोकसभा सांसद संतोष पाण्डेय ने की।

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने गांधी जयंती के दिन आयोजित लोकार्पण समारोह को सम्बोधित करते हुए कहा कि पर्यटक सूचना केन्द्रों के माध्यम से राजनांदगांव जिले में आने वाले पर्यटकों को विभिन्न सुविधाओं की जानकारी आसानी से मिलेगी, इससे जिले में पर्यटन को बढ़ावा मिलने के साथ-साथ स्थानीय लोगों के लिए रोजगार के नये अवसर खुलेंगे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य में पर्यटन सुविधाएं बढ़ाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। पर्यटन को उद्योग का दर्जा भी दिया गया है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ पर्यटन बोर्ड द्वारा भी इस दिशा में लगातार प्रयास किया जा रहा है। इसी कड़ी में राजनांदगांव और डोंगरगढ़ में पर्यटक सूचना केन्द्र का लोकार्पण हुआ है। यह पर्यटन विकास के लिए ये शुभ संकेत है।

लोकसभा सांसद संतोष पांडे ने कहा कि राजनांदगांव और डोंगरगढ़ में पर्यटन सूचना केंद्र की स्थापना से जिले सहित देशी विदेशी पर्यटक छत्तीसगढ़ के पर्यटन स्थलों की जानकारी के साथ ही जिले की पर्यटन विशेषताओं से भी परिचित होंगे। छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड के अध्यक्ष नीलू शर्मा ने बताया कि इन सूचना केंद्रों की स्थापना से पर्यटकों को यात्रा मार्ग, ठहरने की सुविधा, धार्मिक व ऐतिहासिक स्थलों तथा स्थानीय कला-संस्कृति की जानकारी सहज रूप से मिल सकेगी। यह पहल जिले में पर्यटन गतिविधियों को बढ़ावा देने और स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में सहायक सिद्ध होगी।

कार्यक्रम में नगर पालिका परिषद डोंगरगढ़ के अध्यक्ष रमन डोंगरे, पूर्व विधायक रामजी भारती व विनोद खांडेकर, राजनांदगांव के महापौर मधुसूदन यादव, जिला सहकारी केंद्रीय बैंक के अध्यक्ष सचिन बघेल तथा जिला पंचायत अध्यक्ष किरण वैष्णव सहित अनेक जनप्रतिनिधि, सामाजिक और व्यापारिक संगठनों के पदाधिकारी और बड़ी संख्या में आम नागरिक उपस्थित थे।

विकास की नई राह पर सुकमा: किष्टाराम में ग्रामीण बैंक शाखा का शुभारंभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा और अपने एकदिवसीय प्रवास पर किष्टाराम पहुँचे। यहां उन्होंने छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक की नवीन शाखा का लोकार्पण किया। इस अवसर पर बस्तर सांसद महेश कश्यप एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान उपमुख्यमंत्री शर्मा ने ग्रामीणों से भेंटकर उनकी कुशलक्षेम पूछा और शासकीय योजनाओं के लाभ के विषय में जानकारी ली। ग्रामीणों ने बताया कि उन्हें शासकीय योजनाओं का पूरा लाभ मिल रहा है।

नई बैंक शाखा से आठ ग्राम पंचायतों के 42 गांव और 10 हज़ार से अधिक लोग लाभान्वित होंगे। उपमुख्यमंत्री शर्मा ने शाखा का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए और कहा कि अब ग्रामीणों को

डिजिटल बैंकिंग, लेन-देन और शासकीय योजनाओं की राशि प्राप्त करने में किसी प्रकार की परेशानी नहीं होगी।

अपने संबोधन में उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि किष्टाराम छत्तीसगढ़ का अंतिम छोर नहीं, बल्कि पहला गाँव है जहाँ से प्रदेश की विकास यात्रा प्रारंभ होती है। हमारी सरकार मार्च 2026 तक माओवाद को जड़ से समाप्त करने के लिए प्रतिबद्ध है। सभी भटके हुए युवाओं से अपील है कि समाज की मुख्यधारा में लौटकर विकास में भागीदार बनें। कार्यक्रम में 5 हितग्राहियों को ग्रामीण बैंक का नवीन पासबुक प्रदान किया गया।

उपमुख्यमंत्री शर्मा ने घोषणा किया कि कोंटा से गोलापल्ली होते हुए किष्टाराम तक सड़क निर्माण जल्द शुरू होगा। किष्टाराम में मिनी स्टेडियम और मंगलागुड़ा में पुलिया निर्माण की भी घोषणा की गई। उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कहा कि 12वीं पास बहनों को बैंक सखी बनाया जाएगा और युवाओं को सीएससी सेंटर की ट्रेनिंग दी जाएगी। जिले की प्रत्येक ग्राम पंचायत में सीएससी सेंटर स्थापित होंगे, जिससे रोजगार के अवसर बढ़ेंगे और ग्रामीण आसानी से शासन की योजनाओं का लाभ ले पाएंगे। बस्तर सांसद महेश कश्यप ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र और राज्य सरकार ने महतारी वंदन योजना, पीएम किसान सम्मान निधि, किसानों की ऋण माफी जैसी योजनाओं के माध्यम से ग्रामीणों को सीधा लाभ पहुँचाया है। उन्होंने कहा कि बस्तर की पहचान बस्तर का युवा ही होगा, बाहरी कोई नहीं।

बस्तर ओलंपिक और बस्तर पांडुम जैसे आयोजनों का उल्लेख करते हुए उन्होंने युवाओं से आग्रह किया कि वे अपनी प्रतिभा दिखाकर बस्तर का गौरव बढ़ाएँ। कार्यक्रम में कमिश्नर बस्तर डोमन सिंह, आईजी बस्तर पी. सुंदरराज, डीआईजी कमलोचन कश्यप, कलेक्टर देवेश कुमार ध्रुव, पुलिस अधीक्षक किरण चव्हाण, मोहित सिंघल (क्षेत्रीय प्रबंधक जगदलपुर छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक), सहित जनप्रतिनिधि भी उपस्थित थे।

अब घर में चमक रही सौर रोशनी

रायपुर। सूर्य की किरणें अब सिर्फ रोशनी ही नहीं, बल्कि आमजन की जिंदगी में नई ऊर्जा और आय का साधन भी बन रही है। प्रधानमंत्री सूर्य घर-मुफ्त बिजली योजना ने बैकुण्ठपुर के निवासी सेवक राम राजवाड़े की जिंदगी में बड़ा बदलाव ला दिया है। जहां कभी बढ़ते बिजली बिल उनकी चिंता बढ़ाते थे, वहीं अब वे बिजली उपभोक्ता से ऊर्जादाता बन गए हैं। बल्कि उपभोक्ता अब ऊर्जादाता बनकर अतिरिक्त बिजली उत्पादन कर राज्य की ऊर्जा सुरक्षा को भी मजबूत कर रहे हैं।

खास खबर

गुपचुप वाले को मारा चाकू, घटना को अंजाम देकर दो बदमाश फरार

दुर्ग। कोतवाली थाना अंतर्गत गुपचुप बेचने वाले युवक पर चाकू से हमला कर दो बदमाश फरार हो गया। ठेले वाले युवक ने आरोपियों को पापड़ी देने में देरी कर दी, जिससे नाराज होकर आरोपी चाकू से हमला करके फरार हो गए। घटना के बाद पुलिस को इलाज के लिए अस्पातल में भर्ती कराया गया, जहां पुलिस ने बयान के आधार पर धारा 109, 3(5) बीएनएस के तहत केस दर्ज कर दोनों आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

कोतवाली थाना पुलिस ने बताया कि नाइट ड्यूटी के दौरान टीआई को मोबाइल पर सूचना मिला कि एक युवक मारपीट से घायल होकर जिला अस्पताल में भर्ती है। इस पर टीम देर रात अस्पताल पहुंचा, जहां प्रार्थी अनिल वर्मा पिता करोडे वर्मा (25 वर्ष) ने पुलिस को बताया कि वह गौली पारा कांग्रेस भवन के पीछे दुर्ग में रहता है। गंजपारा चौक के गेट नंबर 2 के पास गुपचुप बेचता है। बीती रात करीब 10.30 बजे दो लड़के आए और उससे पापड़ी मांगने लगे। उसने कहा कि वह दूसरे लोगों को गुपचुप खिला रहा है। 5 मिनट बार उन्हें पापड़ी देगा। यह सुनकर एक युवक नाराज हो गया। अपने पास रखे चाकू को उसकी छाती में घोंपने के लिए वार कर दिया, जिससे वह जमीन पर गिर गया। उस दौरान मौके पर मौजूद दामाद दीपक वर्मा को उठाया। इस बीच दूसरे बदमाश ने दामाद पर हमला कर दिया। इसके बाद वे दोनों मौके से भाग गए। रिश्तेदारों पर कॉल करने पर उन्होंने अस्पताल में भर्ती कराया। अब पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

गिरी आकाशीय बिजली, मौत

रायगढ़। घरघोड़ा अंबेडकर नगर में आकाशीय बिजली की चपेट में आने से एक युवक की मौत हो। वहीं हादसे में दूसरा गंभीर रूप से झुलस गया। जानकारी के अनुसार अंबेडकर नगर वार्ड क्रमांक 4 निवासी संजय भारद्वाज पिता स्व. गंगाधर भारद्वाज 30 वर्ष घरघोड़ा नगर के अपने साथी अनिल उरांव के साथ तालाब की ओर गया था। दोनों तालाब के पास ही थे कि, अचानक तेज बारिश शुरू हो गई। इश दौरान तेज व मूसलाधार बारिश से बचने के लिए संजय भारद्वाज अपने दोस्त अजय उरांव के साथ तालाब से कुछ दूर स्थित पेड़ के नीचे चले गए। इसी समय तेज गर्जना के साथ बिजली कड़की और दोनों आकाशीय बिजली की चपेट में आ गए। संजय भारद्वाज की मौके पर मौत हो गई। वहीं, अनिल उरांव गंभीर रूप से झुलस गया। उसे इलाज के लिए उसे घरघोड़ा अस्पताल भर्ती कराया गया है। घटना से इलाके में शोक और सनसनी फैल गई है। पुलिस और अस्पताल प्रशासन ने घायल की बेहतर चिकित्सा में जुट गए हैं।

ट्रक की टक्कर से तीन की मौत

धमतरी। जिले के कुकरेल के पास माकरदोना मोड़ पर एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ, जिसमें खड़े ट्रक से टकराकर बाइक सवार तीन युवकों की मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। जानकारी के अनुसार, तीनों युवक कांटा कुर्रीडीह गांव के निवासी थे। मृतकों में डोमेश्वर, कालेश्वर और एक अन्य युवक शामिल हैं। इनमें से एक मृतक आर्मी का जवान था, जो छुट्टियों में अपने घर आया था। हादसा उस समय हुआ जब तीनों युवक धमतरी से काम निपटाकर वापस अपने गांव लौट रहे थे। हादसे के बाद तत्काल एंबुलेंस 108 को बुलाया गया और शवों को जिला अस्पताल पहुंचाया गया।

ऑपरेशन विश्वास: दुर्ग पुलिस ने अवैध शराब और हथियार तस्करी मामलें में चार आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। थाना पद्मनाभपुर क्षेत्र में दुर्ग पुलिस ने पिस्टल, देशी कट्टा और अवैध शराब तस्करी के चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। कार्रवाई दुर्ग पुलिस द्वारा चलाए जा रहे विशेष ऑपरेशन विश्वास के तहत की गई। इस दौरान आरोपियों के कब्जे से 01 नग पिस्टल, 01 नग देशी कट्टा, 06 नग जिंदा कारतूस, 01 नग धारदार चाकू और 141 पौवा देशी मसाला शराब बरामद की गई। इसके साथ ही आरोपियों से शराब की बिक्री राशि 3,920 रुपए भी जब्त की गई।

मुख्य आरोपी पवन कुर्रे और कृष्ण कुमार जोशी पहले भी हत्या के मामले में धारा 302 भादवि में दर्ज मामलों में शामिल रह चुके हैं। पुलिस ने बताया कि मुखबीर से सूचना मिली थी कि पवन कुमार कुर्रे अपने बड़े भाई विनोद कुर्रे, भांजा कृष्ण कुमार जोशी और साथी सूर्यदेव कोठारी उर्फ़ गोपा के साथ मिलकर अवैध रूप से हथियार और शराब का कारोबार कर रहे हैं। सूचना के आधार पर दुर्ग अनुविभाग से विशेष टीम गठित की गई और मुखबीर द्वारा बताए गए मकान पर रेड की गई। तलाशी के दौरान पवन कुर्रे के घर में 93 पौवा शेरा देशी मसाला शराब अवैध रूप से रखी मिली। पूछताछ में पवन कुर्रे ने स्वीकार किया कि वह, उसका बड़ा भाई विनोद कुर्रे, भांजा कृष्ण कुमार जोशी और साथी सूर्यदेव कोठारी उर्फ गोपा मिलकर संगठित रूप से अवैध शराब बेचते हैं।

तलाशी के दौरान आरोपी के घर से 01 नग पिस्टल, जिन्दा कारतूस और 01 नग धारदार चाकू भी बरामद किया गया। आरोपी पवन कुर्रे ने बताया कि बड़े भाई के पास 01 मैग्जिन और 03 जिन्दा कारतूस हैं। साथी सूर्यदेव कोठारी उर्फ गोपा के पास 01 नग देशी कट्टा और 02 जिन्दा कारतूस पाए गए। वहीं, कृष्ण कुमार जोशी के कब्जे से 48 पौवा देशी मसाला शराब जब्त की गई। पुलिस ने बताया कि कुल 141 पौवा शराब और हथियारों के साथ सभी आरोपियों के खिलाफ धारा 34(2) आबकारी अधिनियम, 25 और 27 आर्म्स एक्ट तथा 112(2) बीएनएस के तहत

अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है। आरोपियों को न्यायालय में पेश कर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

गिरफ्तार आरोपी में पवन कुर्रे, कसारीडीह दुर्ग विनोद कुर्रे, कसारीडीह दुर्ग कृष्ण कुमार जोशी, कसारीडीह दुर्ग सूर्यदेव कोठारी उर्फ गोपा, पोटिया दुर्ग पुलिस सूत्रों के अनुसार, पवन कुर्रे, विनोद कुर्रे और कृष्ण कुमार जोशी कसारीडीह दुर्ग के निवासी हैं, जबकि सूर्यदेव कोठारी उर्फ़ गोपा पोटिया दुर्ग का रहने वाला है। गिरफ्तार आरोपियों ने अवैध कारोबार में हथियारों का उपयोग भी किया, जिससे इलाके में कानून और व्यवस्था के लिए खतरा उत्पन्न हो रहा था। अधिकारियों ने बताया कि ऑपरेशन विश्वास का उद्देश्य नशे, अवैध शराब और हथियार तस्करी जैसी संगठित अपराध गतिविधियों पर प्रभावी अंकुश लगाना है। इस कार्रवाई से न केवल अवैध कारोबार पर रोक लगेगी बल्कि स्थानीय समुदाय में सुरक्षा का माहौल भी मजबूत होगा। पुलिस ने यह भी चेतावनी दी कि इस तरह के अवैध कार्यों में संलिप्त किसी भी व्यक्ति को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

इस कार्रवाई के माध्यम से प्रशासन ने अवैध शराब और हथियार तस्करी के खिलाफ सख्त संदेश दिया है। स्थानीय लोगों ने भी पुलिस की कार्रवाई की सराहना की और कहा कि इससे क्षेत्र में अपराधियों की हिम्मत कम होगी। पुलिस ने लोगों से अपील की कि यदि उन्हें ऐसे अवैध कार्यों की जानकारी हो तो तुरंत संबंधित थाने को सूचित करें। इस गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने क्षेत्र में अतिरिक्त निगरानी बढ़ा दी है। ऐसे मामलों में पुलिस का कहना है कि मुखबीरों की सूचनाएं और स्थानीय समुदाय का सहयोग बेहद महत्वपूर्ण है। इसके माध्यम से अवैध कारोबारियों की पहचान कर उनके खिलाफ प्रभावी कार्रवाई की जा सकती है।

मंदिर में चाकूबाजी, युवक गंभीर रूप से घायल

श्रीकंचनपथ न्यूज

अंबिकापुर। जिले में चाकूबाजी की घटनाओं में लगातार वृद्धि हो रही है। पेट्रोल पंप पर हुई हत्या के बाद अब एक बार फिर बदमाशों ने धार्मिक स्थल महामाया मंदिर परिसर में ताबड़तोड़ हमला किया। इस हमले में एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया है। जानकारी के अनुसार, घायल युवक का नाम प्रिन्स है, जो महामाया मंदिर परिसर में नारियल फोड़ने का कार्य करता है। गुरुवार देर शाम अचानक कुछ अज्ञात बदमाश मंदिर परिसर में पहुंचे और धारदार हथियार से प्रिन्स पर हमला कर दिया। हमले की तीव्रता इतनी अधिक थी कि युवक गंभीर रूप से घायल हो गया।

घटना के तुरंत बाद मंदिर परिसर में मौजूद लोग और स्थानीय निवासी मदद के लिए दौड़े। घायल प्रिन्स को तत्काल अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया। डॉक्टरों ने उसकी गंभीर स्थिति की पुष्टि की और कहा कि प्राथमिक उपचार के बाद उसे लगातार निगरानी में रखा गया है। मामले की जानकारी मिलते ही कोतवाली थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटना स्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है। साथ ही, पुलिस ने मंदिर परिसर और आसपास के क्षेत्रों में सीसीटीवी फुटेज और गवाहों के बयानों के माध्यम से जांच तेज कर दी है।

स्थानीय लोगों ने बताया कि हाल के महीनों में सरगुजा जिले में चाकूबाजी और अन्य हिंसक घटनाओं में वृद्धि हुई है। पिछले कुछ दिनों में पेट्रोल पंप पर हुई हत्या और अब महामाया मंदिर में हुए हमले से इलाके में डर और भय का माहौल बना हुआ है। लोग पुलिस से सुरक्षा बढ़ाने और अपराधियों की गिरफ्तारी की मांग कर रहे हैं। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि इस घटना की गंभीरता को देखते हुए सभी संसाधनों का उपयोग कर आरोपियों को जल्द गिरफ्तार किया जाएगा।

जशपुर में ब्रॉउन शुगर के साथ युवक गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

जशपुर। थाना लोदाम पुलिस ने ऑपरेशन आघात के तहत नशे के सौदागरों पर बड़ी कार्रवाई करते हुए ग्राम साईं टांगर टोली निवासी मोहम्मद तकीम खान (28 वर्ष) को ब्राउन शुगर के साथ गिरफ्तार किया है। इस कार्रवाई में पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 19 पुड़ियों में कुल 1 ग्राम 95 मिलीग्राम ब्राउन शुगर बरामद की, जिसकी बाजार कीमत लगभग 30 हजार रुपये आंकी गई है। पुलिस ने बताया कि यह कार्रवाई मुखबीर से मिली सूचना के आधार पर की गई। पुलिस ने आरोपी को दबिश के दौरान पकड़ लिया और उसके कब्जे से नशे की बरामदगी की। आरोपी के खिलाफ थाना लोदाम में NDPS एक्ट की धारा 21(a) के तहत अपराध दर्ज किया गया और उसे न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा गया। पुलिस अधीक्षक जशपुर आईपीएस शशि मोहन सिंह ने बताया कि आरोपी से ब्राउन शुगर की सप्लाई चेन और अन्य साथियों के बारे

में जानकारी जुटाई जा रही है।

उन्होंने कहा कि नशे के कारोबारियों के खिलाफ पुलिस की एंड-टू-एंड जांच जारी रहेगी और ऑपरेशन आघात के तहत कार्रवाई और तेज की जाएगी। एसएसपी ने आगे कहा कि यह कार्रवाई पुलिस की प्रतिबद्धता को दर्शाती है, जो नशे के विरुद्ध सख्त कदम उठाने के लिए लगातार प्रयासरत है। उन्होंने जनता से अपील की कि यदि किसी को नशे के अवैध कारोबार की जानकारी हो तो तुरंत पुलिस को सूचित करें। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी लोदाम निरीक्षक हर्षवर्धन चौरासे, उप निरीक्षक सुनील सिंह, एएसआई सहबीर भगत सहित पुलिस टीम के अन्य जवानों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। टीम ने पूरी सतर्कता के साथ जांच और दबिश का संचालन किया। पुलिस सूत्रों के अनुसार, मोहम्मद तकीम खान नशे की आपूर्ति नेटवर्क का हिस्सा हो सकता है। आरोपी से पूछताछ के आधार पर पुलिस अन्य संगठित नशा तस्करों तक पहुँचने की कोशिश कर रही है। इससे बड़े पैमाने पर नशा तस्करी के रैकेट का पर्दाफाश हो सकता है। जशपुर पुलिस की इस कार्रवाई ने क्षेत्र में नशे के अवैध कारोबार पर सख्त संदेश भेजा है।

एसएसपी शशि मोहन सिंह ने कहा कि ऑपरेशन आघात लगातार जारी रहेगा और नशे के सौदागरों को किसी भी हालत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। पुलिस ने यह भी स्पष्ट किया कि नशे के खिलाफ कार्रवाई सिर्फ गिरफ्तारियों तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि नेटवर्क और सप्लाई चेन को भी ध्वस्त किया जाएगा।

दुर्ग पुलिस ने शराब तस्करी और शेयर मार्केट धोखाधड़ी के दो बड़े मामलों में की गिरफ्तारी

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले में पुलिस ने लगातार कार्रवाई करते हुए अवैध शराब बिक्री और वित्तीय धोखाधड़ी के दो महत्वपूर्ण मामलों में सफलता हासिल की है। थाना वैशाली नगर और चौकी स्मृति नगर थाना सुपेला की पुलिस टीम ने त्वरित और प्रभावी कार्रवाई करते हुए आरोपियों को गिरफ्तार किया और उनके कब्जे से अवैध शराब, नकदी और ठगी से अर्जित संपत्तियां जब्त कीं। शराब तस्करी में गिरफ्तारी थाना वैशाली नगर पुलिस ने मुखबीर की सूचना के आधार पर 3 अक्टूबर 2025 को शिवा सोनकर उर्फ शिवा निवासी कैम्प वन प्रेमनगर को रामनगर मुक्तिधाम गेट नंबर 02 के पास घेराबंदी कर पकड़ा। आरोपी के कब्जे से एक प्लास्टिक थैला में 37 पौव्वा देशी मसाला शराब बरामद हुई, जिसकी कीमत 3,700 रुपये थी। इसके

अलावा आरोपी के पास से शराब की बिक्री राशि 500 रुपये भी जप्त की गई, जिससे कुल 4,200 रुपये कीमती सामग्री जब्त हुई। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ थाना वैशाली नगर में अपराध क्रमांक 327/2025, धारा 34(2) आबकारी एक्ट के तहत मामला पंजीबद्ध किया और आरोपी को न्यायिक रिमांड पर भेजा। इस कार्यवाही में थाना वैशाली नगर पुलिस टीम की सराहनीय भूमिका रही।

सुपेला थाना पुलिस ने शेयर मार्केट में निवेश के नाम पर धोखाधड़ी करने वाले गिरोह के मुख्य आरोपी सोमेन्द्र पाटिल (28) को गिरफ्तार किया। आरोपी के कब्जे से धोखाधड़ी से प्राप्त रकम से खरीदी गई महिंद्रा कार (छत्त 07 छ्ट्ठ 9080) और एक गूगल फोन जब्त किया गया। इनकी अनुमानित कीमत लगभग 40 लाख रुपये बताई गई है। इस प्रकरण की शिकायत प्रार्थी करण शर्मा ने दर्ज कराई थी। शिकायत में बताया गया कि निशा बिजनेस कंसल्टेंट प्राइवेट लिमिटेड और यूनिक इन्वेस्टमेंट सॉल्यूशन कार्यालय सुपेला चौक ने निवेशकों को 20 से 40 प्रतिशत लाभ का लालच देकर 66 लाख 47 हजार रुपये की ठगी की।

पहले ही मुख्य आरोपी स्नेहांशु नामदेव, उसकी पत्नी डाली नामदेव, निशा मानिकपुरी, धातरी कोसरे और शुभम गुप्ता गिरफ्तार किए जा चुके हैं। पूछताछ में पता चला कि सोमेन्द्र पाटिल और स्नेहांशु नामदेव ने मिलकर निवेशकों से राशि प्राप्त कर 30 प्रतिशत राशि कमिशन के रूप में लेते रहे। अब तक आरोपी सोमेन्द्र पाटिल द्वारा लगभग 4 करोड़ 50 हजार रुपये की राशि निवेशकों से ठगी के तौर पर प्राप्त की गई है। आरोपी के कब्जे से ठगी से खरीदी गई कार और मोबाइल फोन के अलावा चल/अचल संपत्ति से जुड़े दस्तावेज भी जप्त किए गए। अभिरक्षा में पूछताछ के बाद पुलिस ने सोमेन्द्र पाटिल को न्यायिक रिमांड पर भेजा। आरोपी के खिलाफ धारा 318(4), 61(2) बीएनएस के तहत मामला पंजीबद्ध कर जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस अब अन्य साथियों और निवेशकों से जुड़े साक्ष्यों की भी जांच कर रही है।

इन मामलों में पुलिस ने मुखबीर की सूचनाओं और त्वरित रेड के माध्यम से अपराधियों पर सख्त कार्रवाई की है। आरोपी शिवा सोनकर उर्फ शिवा, पिता स्व. कल्लु सोनकर, 34 वर्ष, कैम्प-1 प्रेमनगर, वार्ड 28 दुर्ग और सोमेन्द्र पाटिल, पिता पुरूषोत्तम पाटिल, 28 वर्ष, सेक्टर 06 भिलाई नगर शामिल हैं।

महिला की संदिग्ध अवस्था में मिली लाश, पुलिस जांच में जुटी

श्रीकंचनपथ न्यूज

बेमेतरा। बेमेतरा-कवर्धा मार्ग के किनारे ग्राम खुरूसबोर्ड निवासी सरिता यादव (32) की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत ने इलाके में सनसनी फैला दी है। महिला के शव का जिला अस्पताल में डॉक्टरों की टीम ने पोस्टमार्टम कराया। पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर विवेचना शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, बुधवार रात सरिता यादव को अचेत अवस्था में सत्येन्द्र डोन्डे और उसके भाई पिन्टू यादव जिला अस्पताल लेकर पहुंचे। डॉक्टर ने जांच कर उसकी मौत की पुष्टि की। पुलिस ने शव का निरीक्षण किया और घटना के संदिग्ध पहलुओं को देखते हुए पूछताछ शुरू की।

सत्येन्द्र डोन्डे ने पुलिस को बताया कि बुधवार को वह ऑटो चला कर घर लौट रहा था। घर पहुंचने पर उसने देखा कि सरिता और उसका भाई पिन्टू शराब पी रहे थे। दोनों को शराब पीने पर डांटने के बाद विवाद हुआ। इस दौरान सरिता ने सत्येन्द्र के साथ नहीं रहने की बात कही और ग्राम सैगोना की ओर चली गई। सत्येन्द्र ने पिन्टू को अपने वाहन में बैठाया और

उसे ढूंढते हुए जा रहा था, तभी सरिता के वाहन का टकराव हुआ, जिससे उसके सिर पर गंभीर चोट आई। घायल सरिता को पहले सैगोना के निजी डॉक्टर के पास ले जाया गया, लेकिन वहां डॉक्टर मौजूद नहीं थे। इसके बाद उसे जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने जांच कर उसकी मौत की पुष्टि की।

पुलिस जांच में सामने आया कि मृतका सरिता यादव मूल रूप से बेमेतरा की निवासी थी। सत्येन्द्र दो साल पहले बेमेतरा में काम करने आता था। दोनों के संपर्क में आने के बाद सरिता अपने बच्चों और पति को छोड़कर सत्येन्द्र के साथ खुरूसबोर्ड में रहने लगी थी। आठ दिन पूर्व सरिता का भाई पिन्टू भी उसके घर रहने आया था। बुधवार को सरिता और पिन्टू ने शराब पी, जिसके बाद सत्येन्द्र के आगमन पर विवाद हुआ। घटना की संदिग्ध प्रकृति को देखते हुए खंडसरा प्रभारी राकेश साहू ने फॉरेंसिक भारती चंद्राकर की मदद से जांच प्रारंभ की। टीम ने शव का निरीक्षण किया और घटना स्थल का दौरा कर सबूत जुटाए। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों का सटीक खुलासा किया जाएगा। प्रभारी साहू ने बताया कि सत्येन्द्र डोन्डे का बयान दर्ज किया जा चुका है। घटना स्थल और पीड़ित की परिस्थिति को लेकर विस्तृत जांच चल रही है। पुलिस ने कहा कि मौत की सटीक वजह पोस्टमार्टम रिपोर्ट और फॉरेंसिक जांच के बाद ही सामने आएगी। स्थानीय लोग और परिवार ने घटना को संदिग्ध बताया है और पुलिस से निष्पक्ष जांच की मांग की है। मृतका की व्यक्तिगत स्थिति और शराब विवाद के कारण हत्या या दुर्घटना दोनों पहलुओं पर जांच जारी है।

कार्यालय अधीक्षण अभियंता, लोक निर्माण विभाग, दुर्ग मण्डल दुर्ग (छत्तीसगढ़)

दुर्ग, दिनांक 24.09.2025

// ई-प्रोक्योरमेंट सूचना //

(प्रथम आमंत्रण)

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल की ओर से ऑनलाईन निविदायें प्रपत्र "अ" में प्रतिशत दर पर दिनांक 14.10.2025 तक आमंत्रित की जाती है:-

निविदा आमंत्रण सू.क्र./सि.क्रं.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (राशि लाख में)
218/176797	लोक निर्माण विभाग, अनुविभाग गुण्डरदेही के अंतर्गत व्यवहार न्यायालय गुण्डरदेही दिव्यांग पुरूषों एवं महिलाओं के लिए शौचालय का निर्माण कार्य	14.49
219/176798	राजनांदगांव के न्यायिक कर्मचारी के निवास हेतु पेण्ड्री में निर्माणधीन, आवासगृह के परिसर में बाउंड्रीवॉल, पक्का नाली एवं सी.सी रोड का निर्माण कार्य	57.41

टीप:-

1. उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब Portal एवं विभागीय वेबसाइट http:/eproc.cgstate.gov.in से डाऊनलोड की जा सकती है।
2. पंजीकृत डाक द्वारा कार्यालय में भेजे जाने वाले लिफाफे के ऊपर एन.आई.टी. क्रमांक एवं कार्य का नाम अनिवार्य रूप से अंकित किया जायें।

अधीक्षण अभियंता,
लोक निर्माण विभाग, दुर्ग मण्डल दुर्ग
दूरभाष - 0788-2210876

जी - 252603916/5

न्यायालय अनुविभागीय दण्डाधिकारी भिलाई-03, जिला-दुर्ग (छ.ग.)

// ईश्तहार //

दाण्डिक प्रकरण क्रमांक / 202508104300149/विविध/वर्ष 2025
थाना पुरानी भिलाई तहसील भिलाई-03 जिला-दुर्ग (छ.ग.)

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है पुलिस अधीक्षक जिला दुर्ग के द्वारा जिले के समस्त थाना/चौकी में जप्त लावारिश/लादावा वाहनों के निराकरण / नीलामी की कार्यवाही हेतु निर्देश प्राप्त होने पर थाना प्रभारी थाना पुरानी भिलाई जिला दुर्ग द्वारा थाना पुरानी भिलाई क्षेत्रांतर्गत जप्त लावारिश 25 वाहनों की जानकारी परिवहन विगाग से वाहन स्वामियों की जानकारी प्राप्त कर उन्हे पंजीयन पत्र/आर.सी. कार्ड के साथ वाहन को सुपुर्दनामा में प्राप्त करने हेतु नोटिस जारी किया गया था। किन्तु नोटिस के तामिल/अदम तामिल होने एवं उनके द्वारा वाहन को सुपुर्दनामा में वापस प्राप्त करने हेतु थाना में उपस्थित नहीं होने के कारण उक्त लावारिश/लादावा वाहनों के निराकरण हेतु धारा-28 पुलिस एक्ट के तहत कायमी सान्हा, रोजनामचा सान्हा, लादावा वाहनों की सूची, जप्तीप्रत्रक एवं कथन सहित ईस्तगासा क्रमांक 01/2025 तैयार कर प्रस्तुत किया गया है। जिसके संबंध में प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है तथा दिनांक 08/10/2025 को सुनवाई हेतु नियत है।

अत: वाहनों के नीलामी की कार्यवाही हेतु नीचे दर्शित क्यूआर कोड को स्कैन कर देखा जा सकता है तथा क्यूआर कोड में दर्शित वाहनों के वाहन मालिकों को समाचार पत्र के माध्यम से संसूचित किया जाता है कि वे क्यूआर कोड में दर्शित वाहनों को सुपुर्दनामा में प्राप्ति हेतु दावा/आपत्ति रखते हो तो बाहन रजिस्ट्रेशन पत्रक एवं पहचान पत्र के साथ आगामी पेशी तिथि 08/10/2025 तक कार्यालयीन समय में स्वत: अथवा अपने अभिभाषक/अधिकृत व्यक्ति के माध्यम से लिखित में दावा आपत्ति इस न्यायालय में पेश कर सकते है। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार आज दिनांक 24/09/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया।

अनुविभागीय दण्डाधिकारी
भिलाई-3

जी - 252603932/2

Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

छत्तीसगढ़ शासन सत्यमेव जयते

छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव 25 वर्षों का उत्सव वर्षों का संकल्प

बदलता बस्तर, संवरता बस्तर

बस्तर दशहरा 2025

माननीय केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री

श्री अमित शाह जी

का

स्वागत-वंदन-अभिनंदन

कार्यक्रम : 4 अक्टूबर 2025

मुरिया दरबार

दोपहर 12: 00 बजे, सिरहासार भवन-जगदलपुर

बस्तर लोकोत्सव

दोपहर 1:00 बजे, लालबाग मैदान-जगदलपुर

श्री विष्णु देव साय
माननीय मुख्यमंत्री छत्तीसगढ़

श्री अमित शाह
माननीय केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री

RO-45471/93

हमसे जुड़ने के लिए QR CODE स्कैन करें

सुशासन से समृद्धि की ओर...

छत्तीसगढ़ जनसंपर्क

Visit us : ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO DPRChhattisgarh DPRChhattisgarh www.dprcg.gov.in

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950